■ पौष कृष्णा - 2 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 142 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 17-12-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तक्षिन் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 अगर चुनाव लड़ना नहीं आता तो ईवीएम को दोष देना बंद करें राहुल गांधी : भाजपा

6 शराब के नशे में खोता जा रहा है युवा वर्ग

7 हॉलीवुड फिल्मों के ऑफर में कुछ एक्साइटिंग नहीं लगा: श्रद्धा कपूर

फर्स्ट टेक

लोस में आज पेश किया जाएगा 'एक देश, एक चुनाव' विधेयक

नई दिल्ली/भाषा। देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रावधान वाला एक संवैधानिक संशोधन विधेयक मंगलवार को लोकसभा में पेश करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है और फिर इसे दोनों सदनों की संयुक्त समिति को भेजा जा सकता है। लोकसभा की कार्यसूची के अनुसार, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल मंगलवार को संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 को लोकसभा में पेश करेंगे। विधेयक के पेश होने के बाद मेघवाल लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से इस विधेयक को व्यापक विचार-विमर्श के लिए संसद की संयुक्त समिति के पास भेजने का अनुरोध करेंगे।

इजराइल-हमास युद्ध : गाजा पट्टी में मृतकों की संख्या 45 हजार के पार

दीर अल-बला/एपी। इजराइल और हमास के बीच पिछले 14 महीनों से जारी युद्ध की वजह से गाजा पट्टी में जान गंवाने वालों की संख्या 45,000 के पार पहुंच गई है। गाजा पट्टी के स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों में आम नागरिकों और लड़ाकों की अलग-अलग जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, उसने कहा कि मारे गए लोगों में अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं। इजराइली सेना का दावा है कि उसने 17,000 से ज्यादा आतंकवादियों को मार गिराया है, लेकिन उसने अपने इस दावे का कोई सबूत नहीं दिया है।

जॉर्जिया के पर्वतीय रिसॉर्ट गुदौरी के रेस्तरां में 11 भारतीय मृत मिले

त्बिलिसी/भाषा। जॉर्जिया के पर्वतीय रिसॉर्ट गुदौरी के एक रेस्तरां में 11 भारतीय नागरिक मृत पाए गए। यहां स्थित भारतीय मिशन ने सोमवार को यह जानकारी दी। जॉर्जिया के आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि शुरुआती जांच में किसी भी तरह की चोट या हिंसा के कोई संकेत नहीं मिले। स्थानीय मीडिया ने पुलिस के हवाले से बताया कि सभी की मौत कार्बन मोनोऑक्साइड से हुई है। भारतीय मिशन ने यहां जारी एक बयान में शोकसंतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। मिशन ने कहा कि वह मारे गए भारतीय नागरिकों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है और मामले में हरसंभव सहायता दी जाएगी। इससे पहले दिन में, त्बिलिसी में स्थित भारतीय मिशन ने कहा था कि सभी 12 मृतक भारतीय नागरिक थे।

नक्सलमुक्त भारत बनाना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/एजेन्सी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह नक्सल गतिविधियों पर अंकुश लगाने के अपने मिशन के तहत बीजापुर के सुदूर एवं माओवाद प्रभावित क्षेत्र गुंडम में दोहराया कि वह दिन दूर नहीं जब बस्तर और हमारा देश नक्सल प्रभाव से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा। मार्च 2026 तक नक्सलमुक्त भारत बनाना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

शाह सोमवार को गुंडम में तैनात सुरक्षाबलों के जवानों के बीच पहुंचे। उन्होंने स्थित केन्द्रीय रिजर्व बल 153वीं वाहिनी बटालियन के कैम्प में सीआरपीएफ, कोबरा, डीआरजी सहित सुरक्षा बल के जवानों के साथ संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया।

शाह ने नक्सल मोर्चे पर तैनात जवानों से सीधे नक्सल ऑपरेशन की मैदानी स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने जवानों के साथ दोपहर का भोजन भी किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा भी उपस्थित थे।

शाह ने कहा की विगत एक वर्ष में बस्तर को नक्सल मुक्त करने नवीन सुरक्षा कैम्पों की स्थापना की गई है, जिसका सकारात्मक परिणाम यह रहा है की हमारे जवानों को नक्सल ऑपरेशन में लगातार सफलता मिली। बहुत बड़ी संख्या में नक्सली मारे गये, नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया और उनकी गिरफ्तारी हुई। उन्होंने कहा, वह दिन दूर नहीं जब बस्तर और हमारा देश नक्सल प्रभाव से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा। मार्च 2026 तक नक्सलमुक्त भारत बनाना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि नक्सलमुक्त अभियान में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), कोबरा, छत्तीसगढ़ पुलिस, बस्तरिया बटालियन सहित सभी सुरक्षाबलों का महत्वपूर्ण योगदान है।

श्रीलंकाई क्षेत्र को भारत के हितों के खिलाफ इस्तेमाल नहीं होने देंगे : राष्ट्रपति दिसानायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुर कुमार दिसानायक ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्पष्ट रूप से आश्वासन दिया कि द्वीप राष्ट्र की धरती का भारत के हितों के खिलाफ इस्तेमाल नहीं होने दिया जाएगा। यह आश्वासन श्रीलंका पर प्रभाव बढ़ाने के चीन के प्रयासों पर भारत की चिंताओं के बीच आया।

भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आए दिसानायक ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ व्यापक बातचीत की। इस दौरान भारत और श्रीलंका ने अपनी साझेदारी को विस्तार देने के लिए एक रक्षा सहयोग समझौते को जल्द अंतिम रूप देने का संकल्प लिया और बिजली ग्रिड कनेक्टिविटी एवं बहु-उत्पाद पेट्रोलियम पाइपलाइन स्थापित कर ऊर्जा संबंधों को मजबूत करने का निर्णय भी लिया।

मोदी ने अपने मीडिया बयान में कहा कि वह और श्रीलंकाई राष्ट्रपति इस बात पर ''पूर्ण सहमत'' हैं कि दोनों देशों के सुरक्षा हित आपस में जुड़े हैं और इस क्रम में सुरक्षा सहयोग समझौते को शीघ्र अंतिम रूप देने का निर्णय लिया गया।

मोदी ने दिसानायक को आर्थिक सुधार और स्थिरता का प्रयास कर रहे द्वीप राष्ट्र को भारत के लगातार समर्थन से अवगत कराया। दोनों नेताओं ने अधिकारियों को ऋण पुनर्गठन पर द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन पर चर्चा को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया।

मोदी ने कहा, ''हमने अपनी साझेदारी के लिए भविष्यवादी दृष्टिकोण अपनाया है। हमने अपनी आर्थिक साझेदारी में निवेश आधारित विकास और संपर्क पर जोर दिया है।'' उन्होंने कहा, ''हमने तय किया है कि भौतिक, डिजिटल और ऊर्जा संपर्क हमारी साझेदारी के प्रमुख स्तंभ होंगे। हम दोनों देशों के बीच बिजली-ग्रिड संपर्क और बहु-उत्पाद पेट्रोलियम पाइपलाइन स्थापित करने की दिशा में काम करेंगे।''

श्रीलंकाई नेता ने अपनी टिप्पणी में कहा कि भारतीय प्रधानमंत्री ने श्रीलंका की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता की हमेशा रक्षा करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा, ''मैंने भी प्रधानमंत्री को यह आश्वासन दिया है कि हम अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी ऐसे काम के लिए नहीं होने देंगे जो भारत के हितों के लिए हानिकारक हो।'' दिसानायक ने कहा, ''भारत के साथ सहयोग निश्चित रूप से फलेगा-फूलेगा। और मैं भारत के लिए हमारे निरंतर समर्थन का आश्वासन देना चाहता हूं।''

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साथ ही घोषणा की कि दोनों देशों के बीच संपर्क सुविधा बेहतर करने के लिए रामेश्वरम और तलाईमनार के बीच नौका सेवा शुरू की जाएगी।

मोदी ने कहा, ''हमने संयुक्त रूप से निर्णय लिया है कि नागपत्तनम-कांकेसंथुराई नौका सेवा की सफल शुरुआत के बाद हम रामेश्वरम और तलाईमन्नार के बीच भी नौका सेवा शुरू करेंगे।''

वार्ता में हुई मछुआरों से संबंधित मुद्दे पर भी चर्चा

मोदी ने कहा, ''हमने मछुआरों की आजीविका से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। हम इस बात पर सहमत हैं कि हमें इस मामले में मानवीय दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।'' उन्होंने तमिलों के मुद्दे का जिक्र करते हुए कहा कि भारत को उम्मीद है कि श्रीलंका सरकार समुदाय की आकांक्षाओं को पूरा करेगी। मोदी ने कहा, ''हमने श्रीलंका में पुनर्निर्माण और सुलह के बारे में भी बात की। राष्ट्रपति दिसानायक ने मुझे अपने समावेशी दृष्टिकोण से अवगत कराया। हमें उम्मीद है कि श्रीलंका सरकार तमिल लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेगी।''

किसानों को फसल कटाई बाद कर्ज देने के लिए 1,000 करोड़ रुपए की ऋण गारंटी योजना शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने सोमवार को इलेक्ट्रॉनिक वेयरहाउस रसीदों का लाभ उठाकर किसानों को फसल कटाई के बाद कर्ज उपलब्धता में सुगमता सुनिश्चित करने को 1,000 करोड़ रुपए की ऋण गारंटी योजना शुरू की।

इस योजना का उद्देश्य भंडारगृह विकास एवं नियामक प्राधिकरण (डब्ल्यूडीआरए) पंजीकृत रिपॉजिटरी द्वारा जारी इलेक्ट्रॉनिक नेगोशिएबल वेयरहाउस रसीदों (ई-एनडब्ल्यूआर) के बदले ऋण देने में बैंकों की अरुचि को कम करना है।

योजना के शुभारंभ पर मंत्री ने कहा, हमने 1,000 करोड़ रुपए का एक कोष प्रदान किया है। इसका उद्देश्य बैंकों को उदार दृष्टिकोण के साथ ऋण देने के लिए प्रोत्साहित करना है।

खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने विस्तार की महत्वपूर्ण संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान में फसल-उपरांत ऋण 21 लाख करोड़ रुपए के कुल कृषि ऋण में से मात्र 40,000 करोड़ रुपए है। वर्तमान में ई-एनडब्ल्यूआर के तहत ऋण मात्र 4,000 करोड़ रुपए है।

चोपड़ा ने कहा, हमें उम्मीद है कि अगले 10 साल में फसल के बाद के कामकाज के लिए ऋण बढ़कर 5.5 लाख करोड़ रुपए हो जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बैंकिंग और वेयरहाउसिंग क्षेत्रों के समन्वित प्रयासों से यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। सचिव ने ई-किसान उपज निधि ऑनलाइन मंच को सुव्यवस्थित करने, किसानों के बीच गारंटीशुदा वित्तपोषण के बारे में जागरूकता पैदा करने, डिपॉजिटरी शुल्क की समीक्षा करने और मौजूदा 5,800 से आगे वेयरहाउस पंजीकरण बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

संभल के मंदिर को खोले जाने के बाद उसके कुंए से मिली तीन क्षतिग्रस्त मूर्तियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ सबसे पहले पार्वती जी की मूर्ति मिली, जिसका सिर टूटा हुआ मिला, फिर गणेश जी और मां लक्ष्मी जी की मूर्तियां मिलीं।

संभल (उप्र)/भाषा। संभल जिले में 46 वर्षों तक बंद रहने के बाद पिछले सप्ताह खोले गए भस्म शंकर मंदिर के कुएं में तीन खंडित मूर्तियां मिली हैं। अधिकारियों ने सोमवार यह जानकारी दी।

श्री कार्तिक महादेव मंदिर (भस्म शंकर मंदिर) को 13 दिसंबर को पुन: खोल दिया गया था, जब अधिकारियों ने कहा था कि अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान उन्हें यह ढांचा मिला था।

मंदिर में भगवान हनुमान की मूर्ति और शिवलिंग स्थापित था। यह 1978 से बंद था। मंदिर के पास एक कुआं भी है जिसे अधिकारियों ने फिर से खोलने की योजना बनाई थी।

संभल के जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने पत्रकारों से कहा, प्राचीन मंदिर और जो कुआं हमें मिला है, उसकी खुदाई की जा रही है। पेंसिया ने कहा, करीब 10 से 12 फीट खुदाई की गई है। इस दौरान आज सबसे पहले पार्वती जी की मूर्ति मिली, जिसका सिर टूटा हुआ मिला, फिर गणेश जी और मां लक्ष्मी जी की मूर्तियां मिलीं।

यह पूछे जाने पर कि क्या मूर्तियों को तोड़कर अंदर रखा गया था, उन्होंने कहा कि यह सब जांच का विषय है। उन्होंने कहा, मूर्तियां अंदर कैसे गईं? क्या हुआ और क्या नहीं हुआ, यह विस्तृत जांच के बाद पता चलेगा।

मंदिर के आसपास अतिक्रमण के सवाल पर उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने खुद ही अतिक्रमण हटा लिया है, कुछ से अनुरोध किया गया है, आगे की प्रक्रिया अपनाई जाएगी और फिर नगरपालिका के माध्यम से इसे हटाया जाएगा।

यह पूछे जाने पर कि क्या मंदिर का सौंदर्यीकरण भी किया जाएगा, उन्होंने कहा कि पहले मंदिर की प्राचीनता सुनिश्चित की जाएगी।

17-12-2024	18-12-2024
सूर्यास्त 5:45 बजे	सूर्योदय 6:24 बजे

BSE	NSE
81,748.57	24,668.25
(-384.55)	(-100.05)

सोना	चांदी
7,981 रु.	98,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हर इमारत देश की

व्यर्थ ही भड़का रहे हम,
भावना विद्वेष की।
कर रहे हैं बात क्योंकर,
नित्य ही नव क्लेश की।
अनगिनत पुरुषार्थ की,
होती न व्यक्ति विशेष की।
देश के भू भाग की हैं,
हर इमारत देश की।।

रूसी बलों के साथ मिलकर लड़ रहे उत्तर कोरिया के करीब 30 सैनिक मारे गए : यूक्रेन

कीव/एपी। यूक्रेन की सैन्य खुफिया एजेंसी ने सोमवार को दावा किया कि रूस के कुर्स्क सीमा क्षेत्र में सप्ताहांत यूक्रेनी सेना के साथ युद्ध में उत्तर कोरिया के करीब 30 सैनिक या तो मारे गए या फिर गंभीर रूप से घायल हो गए। 'जीयूआर' नामक एजेंसी ने 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में कहा कि उत्तर कोरियाई सैनिक कुर्स्क के तीन गांवों के आसपास मारे गए। कुर्स्क वह सीमावर्ती क्षेत्र है, जहां रूस पिछले चार महीने से कब्जा करके बैठी यूक्रेनी सेना को खदेड़ने की कोशिश कर रहा है। 'जीयूआर' ने बताया कि कुर्स्क के एक अन्य गांव के आसपास कम से कम तीन उत्तर कोरियाई सैनिक लापता हो गए। यूक्रेनी के दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो पाई है। लगभग तीन वर्ष से जारी युद्ध में उत्तर कोरियाई सैनिकों की मौत की यह पहली खबर है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेसकोव ने दावों से संबंधित सवाल रूसी रक्षा मंत्रालय को भेजे हैं हालांकि अब तक कोई टिप्पणी नहीं आई है।

रैली

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों और हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास को रिहा न करने के विरोध में पश्चिम बंगाल के कोलकाता में 'बंगाली हिंदू सुरक्षा समिति' के बैनर तले सैकड़ों लोगों ने सोमवार को रैली निकाली।

उच्चतम न्यायालय ने पूछा

'जय श्री राम' का नारा लगाना अपराध कैसे?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को पूछा कि 'जय श्री राम' का नारा लगाना कैसे आपराधिक कृत्य है।

न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। इस याचिका में कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें मस्जिद के अंदर कथित तौर पर जय श्री राम का नारा लगाने के लिए दो व्यक्तियों के खिलाफ कार्यवाही 13 सितंबर को रद्द कर दी गई थी।

शिकायतकर्ता हैदर अली सी एम द्वारा दायर याचिका पर पीठ ने पूछा, वे एक विशेष धार्मिक नारा लगा रहे थे या नाम ले रहे थे। यह अपराध कैसे है? शीर्ष न्यायालय ने शिकायतकर्ता से यह भी पूछा कि मस्जिद के अंदर आकर कथित तौर पर नारे लगाने वाले व्यक्तियों की पहचान कैसे की गई।

पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत से पूछा, आप इन प्रतिवादियों की पहचान कैसे करते हैं? आप कहते हैं कि वे सभी सीसीटीवी की निगरानी में हैं। पीठ ने पूछा, अंदर आने वाले व्यक्तियों की पहचान किसने की?

कामत ने कहा कि उच्च न्यायालय ने कार्यवाही रद्द कर दी, जबकि मामले में जांच पूरी नहीं हुई थी।

पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय ने पाया कि आरोप भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 503 या धारा 447 के प्रावधानों से संबंधित नहीं है। आईपीसी की धारा 503 आपराधिक धमकी से संबंधित है, जबकि धारा 447 अनधिकार प्रवेश के लिए दंड से संबंधित है।

लड़ाई जारी रखना चाहता था, लेकिन रूसियों ने मुझे बाहर निकालने का फैसला किया : असद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दमिश्क/एपी। सीरिया के अपदस्थ नेता बशर असद ने कहा कि एक सप्ताह पहले सरकार के पतन के बाद देश छोड़ने की उनकी कोई योजना नहीं थी, लेकिन पश्चिमी सीरिया में उनके अड्डे पर हमला होने के बाद रूसी सेना ने उन्हें वहां से बाहर निकालने का निर्णय लिया। विद्रोही समूहों द्वारा सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद असद की यह पहली टिप्पणी है।

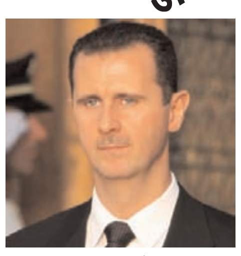

असद ने 'फेसबुक' पर एक बयान में कहा कि आठ दिसंबर की सुबह जब विद्रोहियों ने राजधानी पर हमला किया तब उन्होंने दमिश्क छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि वे रूसी सहयोगियों के साथ समन्वय कर तटीय प्रांत लताकिया में रूसी आधार शिविर के लिए रवाना हुए, जहां उन्होंने लड़ाई जारी रखने की योजना बनाई।

असद ने कहा कि ड्रोन से रूसी आधार शिविर पर हमला होने के बाद रूसियों ने आठ दिसंबर की रात उन्हें रूस ले जाने का फैसला किया। असद ने कहा, मैंने किसी योजना के तहत देश नहीं छोड़ा जैसा कि पूर्व में बताया जा रहा था। उन्होंने कहा, इन घटनाओं के दौरान किसी भी समय मैंने पद छोड़ने या शरण लेने के बारे में नहीं सोचा और न ही किसी व्यक्ति या पार्टी द्वारा ऐसा कोई प्रस्ताव रखा गया था। कार्रवाई का एकमात्र तरीका आतंकवादी हमले के खिलाफ लड़ाई जारी रखना था।

भारत, आर्मीनिया के बीच व्यापार बढ़ाने की जरूरतः राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत और आर्मीनिया के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंधों को याद करते हुए सोमवार को कहा कि दोनों देशों में द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने की जरूरत है।

आर्मीनिया के एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के दौरान मुर्मू ने वैश्विक बहुपक्षीय मंचों पर दोनों देशों के बीच घनिष्ठ सहयोग का उल्लेख किया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन में आर्मीनिया की सदस्यता और तीनों 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन' में उसकी भागीदारी की तारीफ की। आर्मीनिया गणराज्य की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष एलेन सिमोनियन के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने यहां राष्ट्रपति भवन में मुर्मू से मुलाकात की।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति ने भारत और आर्मीनिया के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंधों और लोकतंत्र के साझा मूल्यों पर आधारित बहुआयामी समकालीन रिश्तों को याद किया। बयान के अनुसार, मुर्मू ने विभिन्न विकास साझेदारी कार्यक्रमों के माध्यम से आर्मीनिया में क्षमता निर्माण और कौशल विकास में योगदान जारी रखने की भारत की इच्छा जाहिर की। बयान में कहा गया है कि मुर्मू ने द्विपक्षीय व्यापार का विस्तार करने और दोनों देशों के बीच भौतिक एवं वित्तीय संपर्क बढ़ाने की जरूरत पर भी प्रकाश डाला। बयान के मुताबिक, राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि नियमित संसदीय संवाद एक-दूसरे की शासन प्रणालियों और कानूनों की समझ बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भारत में 1,065 बड़े बांध हैं जो 50 से 100 साल पुराने, 224 बांध एक सदी से अधिक पुरानेः सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को संसद में बताया कि भारत में 1,065 बड़े बांध हैं जो 50 से 100 साल पुराने हैं जबकि 224 बांध ऐसे हैं जो एक सदी से अधिक पुराने हैं। सरकार के मुताबिक, देश में कुल 6,138 निर्मित और 143 निर्माणाधीन बांध हैं।

राज्यसभा में एक लिखित सवाल के जवाब में जल शक्ति मंत्रालय में राज्यमंत्री राज भूषण चौधरी ने कहा कि सरकार ने पुराने बांधों से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने और बांध की विफलताओं से उत्पन्न होने वाली आपदाओं को रोकने के लिए बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021 लागू किया है। उन्होंने कहा कि बांध, सिंचाई और बिजली उत्पादन उद्देश्यों के अलावा बाढ़ को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) और केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) द्वारा संयुक्त रूप से संकलित बड़े बांधों के राष्ट्रीय रजिस्टर (2023 संस्करण) के अनुसार, 6,138 निर्मित और 143 निर्माणाधीन बांध हैं, जो कुल मिलाकर 6,281 होते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इनमें से केवल 224 बांध 100 वर्ष से अधिक पुराने हैं और 1065 बड़े बांध हैं जो 50 से 100 वर्ष पुराने हैं। चौधरी ने कहा कि सरकार ने बांध सुरक्षा कानून लागू किया है और बांध पुनर्वास एवं सुधार परियोजना (डीआरआईपी) के दूसरे और तीसरे चरण को भी लागू किया जा रहा है जिसका मकसद 19 राज्यों और तीन केंद्रीय एजेंसियों के 736 बांधों का पुनर्वास करना है।

कांग्रेस में अनुच्छेद 370 पर कार्रवाई करने का साहस नहीं थाः राज्यसभा में हरदीप पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कांग्रेस में अनुच्छेद 370 पर कार्रवाई करने का साहस नहीं था: राज्यसभा में हरदीप पुरी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को अनुच्छेद 370 पर कांग्रेस नीत पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी ने कश्मीर के संबंध में संविधान के प्रति अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया और एक अस्थायी प्रावधान को 'स्थायी रूप' दे दिया क्योंकि उसमें 'कार्रवाई' करने का साहस नहीं था। 'भारत के संविधान की 75 साल की गौरवशाली यात्रा' विषय पर राज्यसभा में अपने संबोधन में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री पुरी ने कांग्रेस की आलोचना की जिसमें कश्मीरी पंडितों और सिख विरोधी दंगों का भी उल्लेख था।

पुरी ने अनुच्छेद 370 का जिक्र करते हुए कहा कि संविधान में यह एकमात्र प्रावधान था जिसका मसौदा बाबासाहेब आंबेडकर की नजरों से नहीं गुजरा था। उन्होंने कहा कि जब संविधान सभा ने अनुच्छेद 370 (तब संख्या 306 ए) पारित किया, आंबेडकर चुप रहे। उन्होंने कहा कि यहां तक कि सरदार पटेल भी शेख अब्दुल्ला और उनके सहयोगियों को दी गई छूट से हैरान थे। उन्होंने कहा कि संविधान के इस अनुच्छेद को निरस्त करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'अदम्य साहस और संकल्प' की आवश्यकता थी। उन्होंने कहा कि हालांकि इसके 'अस्थायी होने' की बात कही गई थी लेकिन तुष्टिकरण की राजनीति ने वास्तव में इसे स्थायी बना दिया। उन्होंने दावा किया कि पुरजोर विरोध के बावजूद संविधान में एक विशेष प्रावधान शामिल किया गया क्योंकि शेख अब्दुल्ला की स्वायत्तता की मांग को उनके 'प्रिय मित्र' पंडित जवाहरलाल नेहरू ने समर्थन दिया था।

पुरी ने कहा कि शेख अब्दुल्ला को लिखे एक पत्र में आंबेडकर ने उन्हें दीर्घकालिक परिणामों की चेतावनी दी थी और उन्होंने लिखा था, आप पंडित नेहरू को गलत सलाह दे रहे हैं।

पुरी ने शेख अब्दुल्ला को लिखे आंबेडकर के पत्र का हवाला देते हुए कहा, कश्मीर को विशेष दर्जा देकर आप कश्मीर को भारत की मुख्यधारा से अलग कर रहे हैं। नतीजतन, जम्मू-कश्मीर में औद्योगिक विकास या रोजगार के अवसर नहीं होंगे। मैं आपके प्रयासों का हिस्सा नहीं बनूंगा।

पोलावरम परियोजना को 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य : नायडू

पोलावरम(आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार ने पोलावरम परियोजना को 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री ने एलुरु जिले में परियोजना स्थल पर कार्य की प्रगति का निरीक्षण करने के बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने अधिकारियों को इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए छोटे से छोटे पहलू पर काम करने का निर्देश दिया है। हमने इस परियोजना को 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। मैंने अधिकारियों को छोटे से छोटे पहलू पर काम करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विशाल सिंचाई परियोजना के लिए व्यापक लक्ष्य निर्धारित कर दिए गए हैं तथा प्रमुख निष्पादन संकेतक (केपीआई) भी स्थापित किए जाएंगे। नायडू के मुताबिक, परियोजना के प्रत्येक घटक को पूरा करने के लिए केपीआई एक स्पष्ट समयसीमा प्रदान करेगा।

संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग वाली अर्थव्यवस्था से हो सकती हैं एक करोड़ नौकरियां सृजित : कांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने सोमवार को कहा कि संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग और पर्यावरण अनुकूल उपायों वाली अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकनॉमी) से देश में 2050 तक 2,000 अरब डॉलर का बाजार मूल्य और एक करोड़ नौकरियां सृजित हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि 'सर्कुलर' अर्थव्यवस्था वृद्धि को गति देने वाली हो सकती है। यह बदलाव न केवल लागत बचत में मददगार है बल्कि देश को वैश्विक 'सर्कुलर' अर्थव्यवस्था के स्तर पर इसका लाभ उठाने की स्थिति में लाता है।

कांत ने कहा, यह एक बहुत बड़ा अवसर है, क्योंकि 2050 तक, भारत की 'सर्कुलर' अर्थव्यवस्था 2,000 अरब डॉलर से अधिक का बाजार मूल्य और करीब एक करोड़ नौकरियां सृजित कर सकती है। वर्तमान में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 3,700 अरब डॉलर है। उन्होंने कहा कि औद्योगीकरण और शहरीकरण एक अस्थिर भारत का निर्माण कर रहे हैं, ऐसे में हमें उम्मीद की किरण के रूप में 'सर्कुलर' अर्थव्यवस्था की आवश्यकता है। देश के प्राकृतिक संसाधन तेजी से खत्म हो रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ भारी मात्रा में कचरा भी पैदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत प्रतिदिन लगभग 1.6 लाख टन ठोस अपशिष्ट पैदा कर रहा है। इसको देखते हुए एक ऐसे मॉडल की ओर बढ़ने की आवश्यकता है जो आर्थिक विकास के लिए संसाधनों के बेतरतीब दोहन पर अंकुश लगाता है। कांत ने कहा, सर्कुलर मॉडल न केवल अपशिष्ट और पर्यावरणीय नुकसान को कम करता है बल्कि नए आर्थिक अवसर भी पैदा करता है।

असंगठित क्षेत्र के लोगों को संगठित क्षेत्र में लाने के लिए प्रयास करे सरकारः सुले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की नेता सुप्रिया सुले ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार को असंगठित क्षेत्र के लोगों को संगठित क्षेत्र में लाने के लिए काम करना चाहिए और उसे बताना चाहिए कि वह चालू खाते के घाटे का प्रबंधन कैसे करेगी।

सुप्रिया सुले ने लोकसभा में 'वर्ष 2024-25 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगें-प्रथम बैच' पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि सरकार को असंगठित क्षेत्र के लोगों को संगठित क्षेत्र में लाने के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार देश की अर्थव्यवस्था पांच हजार करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंचने का विश्वास जता रही है। सुले ने कहा कि कोई भी सरकार होती, अर्थव्यवस्था के आकार को देखते हुए देश पांच हजार अरब के स्तर पर पहुंचेगा ही। उन्होंने कहा कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में देश में आयात बढ़ रहा है और निर्यात घट रहा है, ऐसे में सरकार चालू घाटा खाते का प्रबंधन कैसे करेगी। सुले ने कहा कि सरकार ने सदन से जनगणना और सर्वे के लिए पैसे देने की अनुमति मांगी है, लेकिन उसे बताना चाहिए कि देश में परिसीमन और जनगणना कब होगी।

कांग्रेस के मनीष तिवारी ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि सरकार पूंजी व्यय के सहारे अर्थव्यवस्था को चला रही है और भारत का निर्यात कम हुआ है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर वस्तुओं के उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी केवल 1.8 प्रतिशत रह गई है और सेवाओं में यह 4.3 प्रतिशत रह गई है। तिवारी ने कहा कि यह सरकार देश के 80 प्रतिशत लोगों को मुफ्त राशन दे रही है। उन्होंने कहा, देश में खाद्य सुरक्षा का कानून कांग्रेस नीत संप्रग सरकार लाई थी। आप चाहें तो 80 प्रतिशत लोगों को ही नहीं देश की पूरी 140 करोड़ आबादी को मुफ्त खाद्यान्न दे दीजिए, लेकिन रोजगार कहां हैं। तिवारी ने कहा कि सरकार रोजगार नहीं दे पा रही, इसलिए उसे मुफ्त अनाज देना पड़ रहा है। उन्होंने दिल्ली के पास सिंघू और खनौरी बॉर्डर पर प्रदर्शन कर रहे किसानों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इतने दिनों से किसान सड़कों पर बैठे हैं और वे अपनी मांगों को लेकर दिल्ली आना चाहते हैं, लेकिन सरकार किसानों से बात करने के लिए तैयार क्यों नहीं है?

नेहरू के पत्रों को प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय को लौटा दें सोनिया गांधीः भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से कहा कि उन्हें भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की ओर से विभिन्न हस्तियों को लिखे गए पत्रों को प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय को लौटा देना चाहिए क्योंकि ऐतिहासिक दस्तावेज देश की संपत्ति होते हैं न कि किसी की निजी संपत्ति।

भाजपा सांसद और प्रवक्ता संबित पात्रा ने प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय की ओर से लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी से किए गए उस संवाद का हवाला दिया जिसमें कहा गया है कि भारत में अंतिम ब्रिटिश वायसराय की पत्नी एडविना माउंटबेटन और प्रतिष्ठित नेताओं जयप्रकाश नारायण और जगजीवन राम के साथ नेहरू के पत्राचार के रिकॉर्ड पूर्ववर्ती नेहरू म्यूजियम एंड लाइब्रेरी सोसाइटी में थे, जिसने उन्हें 2008 में सोनिया गांधी को लौटा दिया था। पात्रा ने इससे पहले लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया था, लेकिन केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने यह कहते हुए जवाब देने से इनकार कर दिया कि उनका प्रश्न पहले से प्रस्तुत लिखित प्रश्न से संबंधित नहीं है।

सरकार ने सांसदों से कहा, फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची सोशल मीडिया पर साझा करें

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को संसद सदस्यों से आग्रह किया कि वे देशभर में चल रहे 21 फर्जी विश्वविद्यालयों के बारे में जागरूकता फैलाने और छात्रों को संस्थानों में प्रवेश लेने के प्रति आगाह करने के मकसद से इनकी सूची सोशल मीडिया मंचों पर प्रकाशित-प्रसारित करें।

लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों से इन संस्थानों को बंद करने के लिए कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

सुकांत मजूमदार ने कहा, मैं संसद सदस्यों से, जो सोशल मीडिया पर भी सक्रिय हैं और छात्रों के बीच लोकप्रिय हैं, अपने सोशल मीडिया मंचों पर फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची को प्रचारित करने की अपील करता हूं।

आने वाली पीढ़ियों के लिए संविधान को मजबूत किया जाए : शिवसेना सांसद देवड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शिवसेना सांसद मिलिंद देवड़ा ने सोमवार को राज्यसभा में सभी राजनीतिक दलों से आने वाली पीढ़ियों के लिए संविधान को मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि इसके लिए यह भी जरूरी है कि पार्टियों में आतंरिक लोकतंत्र कायम किया जाए। 'भारतीय संविधान के 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' विषय पर उच्च सदन में दो दिवसीय चर्चा में भाग लेते हुए शिवसेना के मिलिंद देवड़ा ने कहा कि संविधान लागू होने के 65 वर्ष बाद देश में संविधान दिवस मनाना शुरू हुआ है।

उन्होंने कहा कि संविधान दिवस मनाने से देश की वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को उन मूल्यों के बारे में अच्छी तरह से जानकारी मिलेगी जो संविधान में शामिल किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 के हटने से पूरे भारत में संविधान लागू हो पाया है। देवड़ा ने कहा कि आज जीएसटी (माल एवं सेवा कर) परिषद में सभी राज्यों का प्रतिनिधित्व है और इन राज्यों की राय लेकर ही फैसले किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा एवं राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देने वाला कानून पारित करने से देश का संविधान और मजबूत हुआ है।

केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और राष्ट्रीय राजधानी में कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहने का आरोप लगाया।

त्यागराज स्टेडियम में 'महिला अदालत' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा, दस साल पहले आपने मुझे दिल्ली में स्कूल, अस्पताल और जलापूर्ति बेहतर करने की जिम्मेदारी दी थी और मैंने अपना काम किया। लेकिन आपने सुरक्षा की जिम्मेदारी भाजपा और अमित शाह को दी, जो विफल रहे। केजरीवाल ने कहा, दिल्ली की महिलाएं मेरे लिए वोट बैंक नहीं हैं, मैं उन्हें अपनी बहन और मां मानता हूं। मैंने उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी। आप के सत्ता में आने से पहले राष्ट्रीय राजधानी में सीसीटीवी कैमरे नहीं थे। हमने लोगों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए और 'बस मार्शल' नियुक्त किए।

यह कार्यक्रम 2012 में दिल्ली में हुई सामूहिक बलात्कार की घटना की 12वीं बरसी पर आयोजित किया गया था। इस अवसर पर सैकड़ों महिलाओं ने 'निर्भया अमर रहे' और 'महिला शक्ति जिंदाबाद' जैसे नारे लगाए।

इस अवसर पर टेलीविजन पर आने वाले कार्यक्रम 'आप की अदालत' की तर्ज पर महिलाओं के खिलाफ अपराधों को उजागर करने वाला एक छोटा वीडियो दिखाया गया, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर महिलाओं की सुरक्षा के मामले में निष्क्रियता का आरोप लगाया गया।

फलस्तीनियों के समर्थन में 'फलस्तीन' लिखा हैंडबैग लेकर संसद पहुंची प्रियंका

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा फलस्तीन के लोगों के प्रति एकजुटता प्रकट करते हुए सोमवार को एक ऐसा हैंडबैग लेकर संसद पहुंचीं जिस पर 'फलस्तीन' लिखा हुआ था। वह कई मौकों पर गाजा में इजराइल की सैन्य कार्रवाई के खिलाफ आवाज उठाती और फलस्तीनियों के साथ एकजुटता व्यक्त करती रही हैं। उन्होंने जो हैंडबैग लिया हुआ था उस पर अंग्रेजी में 'पेलेस्टाइन' (फलस्तीन) लिखे होने के साथ फलस्तीन से जुड़े कई प्रतीक भी बने हुए थे। हैंडबैग मुद्दे पर वायनाड की सांसद पर निशाना साधते हुए भाजपा के लोकसभा सदस्य अनुराग ठाकुर ने आश्चर्य जताया कि वह क्या संदेश देना चाहती थीं। उन्होंने दावा किया, प्रियंका गांधी ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार पर एक शब्द भी नहीं बोला, लेकिन फलस्तीन लिखा बैग के साथ एक फैशन स्टेटमेंट बनाना चाहती हैं। भाजपा नेताओं द्वारा इस हैंडबैग का मुद्दा उठाने के बारे में पूछे जाने पर, प्रियंका गांधी ने कहा, उन्हें बताएं कि उन्हें बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों - हिंदुओं और ईसाइयों - पर हो रहे अत्याचारों के बारे में कुछ करना चाहिए। बांग्लादेश सरकार से बात करें और इन्हें रोकें। नई दिल्ली में फलस्तीनी दूतावास प्रमुख आबिद अलरजाक अबू जाजर ने पिछले हफ्ते प्रियंका गांधी से मुलाकात कर कांग्रेस नेता को केरल के वायनाड से उनकी हालिया चुनावी जीत पर बधाई दी थी।

अमेजन, फ्लिपकार्ट की लंबित याचिकाएं कर्नाटक उच्च न्यायालय में स्थानांतरित की जानी चाहिए : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि ई-कॉमर्स मंच अमेजन और फ्लिपकार्ट की उन याचिकाओं को कर्नाटक उच्च न्यायालय में स्थानांतरित किया जाना चाहिए, जिनमें कथित कदाचार के लिए उनके खिलाफ जांच के भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के आदेश को चुनौती दी गई है।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने सीसीआई की ओर से दायर उस याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें ई-कॉमर्स मंचों की अर्जी को उच्च न्यायालयों से शीर्ष अदालत या दिल्ली उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया था। पीठ ने कहा, नोटिस जारी करें। प्रथम दृष्टया, हमारा विचार है कि विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित सभी मामलों को सुनवाई के लिए कर्नाटक उच्च न्यायालय में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। पीठ ने मामले में अगली सुनवाई के लिए छह जनवरी 2025 की तारीख निर्धारित की। हालांकि, शीर्ष अदालत ने कर्नाटक उच्च न्यायालय से ई-कॉमर्स कंपनियों की याचिकाओं पर सुनवाई आगे नहीं बढ़ाने को कहा। सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि अगर कर्नाटक उच्च न्यायालय मामले की सुनवाई करता है, तो सीसीआई को कोई आपत्ति नहीं है। शीर्ष अदालत के समक्ष दायर याचिका में सीसीआई ने इलाहाबाद, मद्रास, तेलंगाना, पंजाब एवं हरियाणा, दिल्ली और कर्नाटक के उच्च न्यायालयों के समक्ष लंबित मामलों को या तो उच्चतम न्यायालय या दिल्ली उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया।

सीसीआई ने पसंदीदा विक्रेताओं को भारी छूट और उनके साथ गठजोड़ सहित अन्य कथित कदाचार के लिए फ्लिपकार्ट और अमेजन के खिलाफ जांच का आदेश दिया था। उसने दिल्ली व्यापार महासंघ की शिकायत के बाद यह कदम उठाया था, जिसके सदस्यों में स्मार्टफोन और उससे संबंधित सामान का कारोबार करने वाले कई व्यापारी शामिल हैं।

नवंबर तक देश भर में लगभग 73 लाख स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए गएः सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार नवंबर तक देश भर में लगभग 73 लाख स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए गए हैं, जबकि 11 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में एक भी मीटर नहीं लगाया जा सका है। संसद के उच्च सदन में सोमवार को साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, संशोधित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) योजना के तहत विभिन्न राज्यों में 29 नवंबर तक लगभग 73 लाख स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए गए हैं। जुलाई 2021 में शुरू की गई इस योजना के तहत मार्च 2025 तक 3.3 लाख करोड़ रुपए के परिव्यय से लगभग 25 करोड़ स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जाने हैं।

बिजली राज्य मंत्री श्रीपद नाइक ने राज्यसभा को एक लिखित सवाल के जवाब में कहा कि 29 नवंबर तक विभिन्न राज्यों में लगभग 19.79 करोड़ स्मार्ट मीटर स्वीकृत किए गए हैं और 72.97 लाख उपकरण लगाए गए हैं। मंत्री द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, तमिलनाडु, त्रिपुरा, राजस्थान और पंजाब जैसे राज्यों में स्मार्ट मीटर लगाने की संख्या शून्य थी, जबकि इन राज्यों में उपकरणों की स्वीकृत संख्या क्रमशः 3 करोड़, 5.47 लाख, 1.42 करोड़ और 87.84 लाख थी। जिन अन्य राज्यों में कोई मीटर नहीं लगाया जा सका है उनमें नगालैंड (3.17 लाख स्वीकृत के मुकाबले), मेघालय (4.60 लाख स्वीकृत के मुकाबले), मिजोरम (2.89 लाख), झारखंड (13.41 लाख), केरल (1.32 करोड़), अरुणाचल प्रदेश (2.87 लाख) और गोवा (7.41 लाख) शामिल हैं।

आंकड़ों से पता चलता है कि 29 नवंबर तक अंडमान निकोबार और पुडुचेरी में एक भी मीटर नहीं लगाया गया है। जबकि दोनों केंद्र शासित प्रदेशों के लिए क्रमशः 83,573 और 4.03 लाख स्मार्ट मीटर स्वीकृत किए गए थे।

स्टालिन ने पनपक्कम में ताइवान की जूता बनाने वाली इकाई की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के स्टालिन ने रानीपेट जिले के पनपक्कम में तमिलनाडु राज्य उद्योग संवर्धन निगम लिमिटेड (एसआईपीसीओटी) औद्योगिक एस्टेट में ताइवान की जूता बनाने वाली इकाई की सोमवार को आधारशिला रखी।

राज्य सरकार ने यहां एक विज्ञप्ति में बताया कि मुख्यमंत्री ने चेन्नई स्थित सचिवालय से डिजिटल माध्यम से गैर-चमड़े के जूते बनाने वाली दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी हांग फू की 1,500 करोड़ रुपये की परियोजना का शिलान्यास किया। इससे 25,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात, जापान, सिंगापुर, स्पेन और अमेरिका सहित कई देशों की यात्रा की थी और 2030 तक राज्य को एक हजार अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की अपनी महत्वाकांक्षी योजना के तहत तमिलनाडु में निवेश के लिए औद्योगिक कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। विज्ञप्ति में बताया गया कि हांग फू एक बहुराष्ट्रीय समूह है, जिसकी 20 से अधिक सहायक कंपनियां हैं। यह समूह खेलकूद में इस्तेमाल होने वाले जूता का डिजाइन तैयार कर उनका निर्माण करता है और बिक्री करता है। यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी जूता निर्माता कंपनी है। हांग फू को पनपक्कम में 200 एकड़ जमीन आवंटित की गई है।

मुलाकात — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में सोमवार को मुख्यमंत्री के प्रधान कार्यालय में साउदर्न इंडिया मिल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. एस.के. सुंदररमन, पूर्व अध्यक्ष डी. राजकुमार, साउथ इंडिया स्पिनर्स एसोसिएशन के मानद सचिव एस. जगदीश चंद्रन, रिसाइक्ल्ड टेक्सटाइल फेडरेशन के अध्यक्ष एम. जयपाल, ओपन एंड स्पिनिंग मिल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष जी. अरुलमोझी, साउथ इंडियन मिल्स एसोसिएशन के महासचिव डॉ. के सेल्वाराजा और अधिकारियों ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से मुलाकात की और आभार व्यक्त किया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन, माननीय हथकरघा और कपड़ा मंत्री आर गांधी, मुख्य सचिव ना. मुरुगानंदम सहित शीर्ष सरकारी अधिकारी वहां मौजूद थे।

'एक साथ चुनाव' का विरोध करें, यह भारत को एकात्मक शासन प्रणाली के संकट में धकेलेगा : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने सभी लोकतांत्रिक ताकतों से एकजुट होने और चुनावी सुधार की आड़ में थोपे गए 'एक साथ चुनाव कानून'' के खिलाफ पूरी ताकत से ''लड़ने'' तथा भारत, इसकी विविधता एवं संविधान को बचाने का आह्वान किया। उन्होंने दावा किया कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार के पास इस महत्वपूर्ण विधेयक को पारित करने के लिए बहुमत नहीं है। उन्होंने दावा किया कि इस विधेयक से भारत की राजनीति के हमेशा के लिए बदलने का खतरा है।

स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अब भी, देश की प्रगति को प्रभावित करने वाले अहम मुद्दों को सुलझाने में भाजपा की विफलताओं से ध्यान हटाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, विपक्षी दलों का 'इंडि' गठबंधन इस संघ-विरोधी एवं अव्यावहारिक एक राष्ट्र एक चुनाव' का विरोध करेगा, क्योंकि यह देश को एकात्मक शासन प्रणाली के संकट में धकेल देगा तथा इस प्रक्रिया में इसकी विविधता और लोकतंत्र को नष्ट कर देगा। उन्होंने कहा, ''अगर प्रस्तावित विधेयक पारित हो जाता है और लागू हो जाता है, तो इससे हमारे महान संविधान निर्माताओं द्वारा देश को अराजकता एवं अधिनायकवाद में जाने से रोकने के लिए समय-समय पर चुनाव के रूप में स्थापित कानूनी नियंत्रण और संतुलन समाप्त हो जाएगा।''

स्टालिन ने कहा कि इसके अलावा, राज्य चुनाव अपना राजनीतिक महत्व खो देंगे और क्षेत्रीय भावनाएं एवं विविधता नष्ट हो जाएंगी। स्टालिन ने अनुरोध किया, भारत, इसकी विविधता और संविधान को बचाने के लिए सभी लोकतांत्रिक ताकतों को एकजुट होकर चुनाव सुधार की आड़ में थोपी गई इस अव्यावहारिक नीति के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ना होगा।

लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के लिए संविधान संशोधन विधेयक मंगलवार को संसद में पेश किए जाने की संभावना है और इसे दोनों सदनों की संयुक्त समिति को भेजा जा सकता है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले सप्ताह लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने का निर्णय लिया, लेकिन स्थानीय निकाय चुनाव किस प्रकार कराए जाएंगे, इस पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

धनबाद-कोयम्बटूर स्पेशल रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व मध्य रेलवे ने अपने यहां रेकों की अनुपलब्धता के कारण विशेष रेल सेवाओं को रद्द करने की अधिसूचना जारी की है। ट्रेन संख्या 03325 धनबाद-कोयंबटूर स्पेशल, जो 1 जनवरी को धनबाद से 10.10 बजे रवाना होने वाली है, पूर्णतः रद्द है। वापसी में ट्रेन संख्या 03326 कोयंबटूर-धनबाद स्पेशल, जो 4 जनवरी को कोयंबटूर से 12.55 बजे रवाना होने वाली है, पूरी तरह से रद्द है।

तमिलनाडु को शत्रु राज्य न समझे केंद्र : द्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने केंद्र पर तमिलनाडु के साथ भेदभाव का आरोप लगाते हुए सोमवार को सरकार से आग्रह किया कि वह तमिलनाडु को शत्रु राज्य न समझे। द्रमुक सांसद डी. एम. कथिर आनंद ने वर्ष 2024-25 के लिए अनुदान की 'अनुपूरक मांगें : प्रथम बैच' पर लोकसभा में चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार खुद को भले ही किसानों का मसीहा समझती हो और किसान सम्मान निधि योजना में राशि आवंटित करने की बात करती हो, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार आज तक भूमिहीन किसानों का आंकड़ा नहीं जुटा पाई है।

उन्होंने कहा कि तमिलनाडु सरकार देश का पहला ऐसा राज्य है, जिसने 1989 में किसानों के लिए मुफ्त बिजली योजना शुरू की थी। उन्होंने कहा कि उस वक्त राज्य के मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि थे। उन्होंने मोदी के कार्यकाल में रोजगार सृजन की दर बहुत ही खराब होने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में बेरोजगारी की दर बढ़ती जा रही है। आनंद ने आग्रह किया कि केंद्र तमिलनाडु को शत्रु राज्य न समझे। चर्चा में द्रमुक सांसद के. ईश्वरसामी ने भी हिस्सा लिया।

शिवसेना (उबाठा) के अनिल यशवंत देसाई ने विनिर्माण क्षेत्र में विकास दर केवल 2.2 प्रतिशत रहने पर चिंता जताई और कहा कि केवल विनिर्माण ही नहीं बल्कि ज्यादातर क्षेत्रों में विकास दर का कम होना चिंता का विषय है। उन्होंने देश में बेरोजगारी की समस्या बढ़ने का भी मुद्दा उठाया। देसाई ने कहा कि सत्ता पक्ष भले ही अपनी पीठ थपथपा ले, लेकिन अर्थव्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि सरकार ने दावा किया था कि किसानों की आय दोगुनी होगी, लेकिन ऐसा संभव नहीं हो सका है। उन्होंने बीमा कंपनियों के कर्मचारियों के वेतन बढ़ाये जाने की भी मांग की। केरल कांग्रेस के सांसद के. फ्रांसिस जॉर्ज ने केरल के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया।

चर्चा में हिस्सा लेते हुए कांग्रेस के चमाला किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि भाजपा-नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ऐसे प्रतीत करा रही है जैसे देश में हर बेहतर काम 2014 में शुरू हुआ हो। उन्होंने तेलंगाना की बीआरएस सरकार पर लाखों करोड़ रुपये का गबन करने का आरोप लगाया। उन्होंने देश में किसानों की आत्महत्या के मामले बढ़ने का दावा करते हुए कहा कि किसानों को सरकार ने वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया, लेकिन उनके लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने पिछले दिनों दिल्ली की बाहरी सीमा पर किसानों पर लाठीचार्ज कराये जाने की आलोचना की।

आदिवासी व्यक्ति को आधा किमी तक सड़क पर कार से घसीटा गया

वायनाड। उत्तरी केरल के वायनाड जिले में एक आदिवासी व्यक्ति का अंगूठा कार के दरवाजे में फंस जाने के बाद उसे लोगों के एक अज्ञात समूह ने करीब आधा किलोमीटर तक सड़क पर घसीटा। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह घटना 15 दिसंबर की शाम को मनंतवाडी के कूडल कदावु में एक 'चेक डैम' के पास घटी, जिसके दृश्य आज टेलीविजन चैनलों पर प्रसारित किये गये।

पुलिस के अनुसार, ''चेम्माडू बस्ती के निवासी मथन को कार में सवार लोगों द्वारा सड़क पर घसीटे जाने के कारण हाथ, कूल्हे और पैर में चोटें आई हैं। संदेह है कि कार सवार लोग 'चेक डैम' देखने के लिए यहां आए पर्यटक थे। पुलिस के एक पुलिस अधिकारी ने बताया, ''हमें मिली जानकारी के अनुसार, रविवार को इलाके में घूमने आए पर्यटकों के दो समूहों के बीच कुछ बहस हो गई। मथन सहित स्थानीय लोगों ने मामले में हस्तक्षेप करने की कोशिश की, लेकिन अंततः उसे इस क्रूरता का शिकार होना पड़ा।

एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि 49 वर्षीय आदिवासी व्यक्ति का अंगूठा कार के दरवाजे में फंस गया। उन्होंने बताया कि वाहन में बैठे लोगों से कार रोकने के लिए कई बार कहा गया, लेकिन इसके बावजूद वे लगभग आधा किलोमीटर तक पीड़ित व्यक्ति को सड़क पर घसीटते हुए ले गए।

उन्होंने बताया कि कार के अंदर कम से कम चार लोग थे और वे वहां से भाग गए। उन्होंने बताया कि मथन को बाद में निकटवर्ती अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मनंतवाडी पुलिस ने इस घटना के संबंध में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 110 सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। अधिकारी ने बताया, मामले की जांच की जा रही है और हम अभी तक आरोपियों की पहचान नहीं कर पाए हैं। हमें संदेह है कि वे पड़ोसी मलप्पुरम जिले के कुट्टीपुरम के रहने वाले थे।

तमिलनाडु के तटीय जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के तटीय जिलों में मंगलवार से भारी बारिश होने की आशंका जताई गई है। मौसम को देखते हुए मछुआरों को भी समुद्र में जाने से बचने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व में बना कम दबाव का क्षेत्र अगले दो दिनों में और अधिक स्पष्ट हो सकता है और पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में तमिलनाडु तट की ओर बढ़ सकता है, जिसके चलते मंगलवार से बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने बताया कि दक्षिण अंडमान सागर और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी समेत आसपास के क्षेत्रों में ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव में कम दबाव का क्षेत्र बनने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने तटीय तमिलनाडु और पुडुचेरी में कई स्थानों पर भारी बारिश की संभावना जताई है।

जानकारी के अनुसार, कुड्डालोर, मयिलादुथुराई, नागपट्टिनम और तिरुवरूर जिलों के साथ-साथ कराईकल क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। इसके अलावा, मौसम विभाग ने चेंगलपट्टू, विल्लुपुरम, कल्लाकुरिची, अरियालुर, पेरम्बलुर, तिरुचिरापल्ली, तंजावुर और पुदुक्कोट्टई जिलों के साथ-साथ पुडुचेरी में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की भी भविष्यवाणी की है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) के अनुसार, बुधवार को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में हल्की से लेकर मध्यम बारिश हो सकती है। इसके अलावा, अलग-अलग जगहों पर गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने की भी संभावना है। आरएमसी ने तिरुवल्लुवर, चेन्नई, चैंगलपट्टू, कांचीपुरम, तिरुवन्नामलाई, कल्लाकुरिची, मयिलादुथुराई, नागपट्टिनम और तिरुवरूर जिलों में अलग-अलग स्थानों पर बारिश की भविष्यवाणी की है।

चालू पूर्वोत्तर मानसून सीजन के दौरान, तमिलनाडु में औसत 393 मिमी के मुकाबले 447 मिमी के साथ 14 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई है। चेन्नई में 845 मिमी बारिश हुई है, जो औसत से 16 प्रतिशत अधिक है, जबकि कोयंबटूर में बारिश में 47 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

मौसम को देखते हुए मछुआरों को सलाह दी गई है कि वह समुद्र में जाने से बचें। इसके अलावा, वैसे मछुआरे जो पहले से ही समुद्र में हैं उन्हें तुरंत वापस लौटने के लिए कहा गया है। मौसम विभाग की ओर से यह अलर्ट चक्रवात फेंगल के कारण हुई तबाही के बाद जारी किया गया है, जिसने 29 नवंबर से 1 दिसंबर के बीच तमिलनाडु और पुडुचेरी को प्रभावित किया था। चक्रवात फेंगल के कारण तमिलनाडु में भारी बारिश हुई, जिसके बाद बंगाल की खाड़ी के दक्षिण में कम दबाव वाले क्षेत्र के कारण भारी से बहुत भारी बारिश हुई।

बता दें कि चक्रवात और उससे जुड़ी बारिश के कारण 12 लोगों की जान चली गई। इसके साथ-साथ कृषि और बागवानी भूमि के जलमग्न होने से किसानों को काफी नुकसान का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा, कई बिजली के खंभे, ट्रांसफार्मर, 9 हजार से ज्यादा किलोमीटर सड़कें, 1,847 पुलिया, 417 टैंक, कई घर और झोपड़ियां भी क्षतिग्रस्त हुई थी।

पुलिसकर्मी ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मारी

मलप्पुरम। केरल के मलप्पुरम जिले में 36 वर्षीय पुलिसकर्मी ने खुद को गोली मारकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। विनीत मलप्पुरम जिले में 'थंडरबोल्ट कमांडो' के रूप में सेवा दे रहे थे और फिलहाल स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) का हिस्सा थे। विनीत रविवार को अपने क्वार्टर के बाथरूम में मृत पाए गए। 'थंडरबोल्ट बल' माओवाद विरोधी तलाश अभियान से जुड़ा है।

बताया जाता है कि मूल रूप से वायनाड जिले के निवासी विनीत बार-बार अनुरोध के बावजूद छुट्टी नहीं मिलने से परेशान थे। हालांकि, पुलिस ने अब तक इसकी पुष्टि नहीं की है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, वह मृत पाए गए। उन्होंने खुद को गोली मार ली।

रिपोर्ट — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में सोमवार को राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष प्रो. जयरंजन ने समिति की ओर से तैयार मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार कर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को सौंपी। इस मौके पर उनके साथ में उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन, मुख्य सचिव ना. श्रीमुरुगानंदम, अपर मुख्य सचिव, योजना, विकास एवं विशेष पहल विभाग के रमेश चंद मीना आदि उपस्थित रहे।

विश्व चैम्पियनशिप में मानसिक, भावनात्मक दबाव से निपटना महत्वपूर्ण : गुकेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विश्व चैम्पियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने सोमवार को यहां कहा कि शतरंज सिर्फ 64 खानों की बिसात वाले खेल की रणनीति के बारे में नहीं है और विश्व चैम्पियनशिप में उनके ऐतिहासिक प्रदर्शन के दौरान 'भावनात्मक दबाव' पर काबू पाने में मानसिक अनुकूलन कोच पैडी अपटन ने उनकी काफी मदद की। चीन के डिंग लिरेन को हराकर सबसे कम उम्र में चैम्पियन बनने वाले 18 वर्षीय गुकेश सोमवार को यहां पहुंचे। यहां पहुंचने पर प्रशंसकों और अधिकारियों ने उनका जोरदार स्वागत किया।

गुकेश ने अपने बचपन के स्कूल वेलाम्मल विद्यालय द्वारा आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''विश्व चैंपियनशिप सिर्फ शतरंज के चालों के बारे में नहीं है। इससे निपटने के लिए बहुत सारे मानसिक और भावनात्मक दबाव होते हैं। पैडी ने इस मामले में मेरी काफी मदद की है।'' अपटन एक जाने माने मानसिक अनुकूलन कोच है। उन्होंने सिंगापुर में 14 बाजियों के विश्व चैम्पियनशिप मुकाबले के दौरान गुकेश के साथ काम किया था।

गुकेश ने कहा, ''मैंने उनसे जो बातचीत की और उन्होंने मुझे जो सुझाव दिये वह एक खिलाड़ी के रूप में मेरे विकास के लिए काफी अहम रहे हैं।'' गुकेश ने इस मौके पर 2011 क्रिकेट विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम और पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली राष्ट्रीय पुरुष हॉकी टीम के साथ काम करने वाले अपटन से जुड़ाव के बारे में बताया। उन्होंने कहा, ''पैडी मेरी टीम का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। कैंडिडेट्स (अप्रैल) जीतने के बाद, मैंने संदीप सर (वेस्टब्रिज कैपिटल के संदीप सिंघल) से एक मानसिक अनुकूलन कोच की मांग की थी।'' इस युवा खिलाड़ी ने कहा, ''उन्होंने तुरंत मुझे पैडी अपटन से संपर्क कराया। जिनके पास शानदार प्रदर्शन करने वाले एथलीटों के साथ काम करने का काफी अनुभव है।''

गुकेश के चैम्पियन बनने के एक दिन बाद अपटन ने 'पीटीआई' को दिये साक्षात्कार में इस 'खिलाड़ी की जागरूकता' की सराहना की थी। उन्होंने कहा था, ''मुझे लगता है कि गुकेश के साथ काम करने में सबसे शानदार बात उनकी जागरूकता का स्तर था। मेरी कोशिश यह परखने की थी कि वह अपने विचारों पर कैसी प्रतिक्रिया दे रहा है।'' उन्होंने कहा, शतरंज की बिसात पर जरूरत से ज्यादा सोचते समय भी उन्होंने परिपक्व जागरूकता दिखायी। अगर उनका दिमाग भटका भी तो उन्होंने ने तुरंत काबू पा लिया।''

उन्होंने कहा, वह शुरुआत में 0-1 से पिछड़ने के बावजूद वह एक विश्व चैंपियन है क्योंकि वह खुद को प्रबंधित करने, ध्यान केंद्रित करने और खेल में बने रहने में सक्षम था। इतने बड़े आयोजन में शुरुआती झटके से उबरना आसान नहीं है।

गुकेश ने अपनी शतरंज यात्रा में समर्थन देने के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, तमिलनाडु सरकार से बहुत समर्थन मिला। जब भी मैं कुछ हासिल करता हूं तो मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री मुझे घर बुलाते हैं और प्रोत्साहित करते हैं। पिछले साल चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स के दौरान तमिलनाडु सरकार ने मुझे प्रायोजित किया था। उन्होंने सारी व्यवस्थाएं कीं। इस तरह मैंने टूर्नामेंट जीता और कैंडिडेट्स के लिए क्वालीफाई किया।

उन्होंने कहा, ''हमें अगर इस तरह अधिक समर्थन मिलता है, तो मेरा मानना है कि अधिक शतरंज खिलाड़ी आएंगे। मैं तमिलनाडु सरकार का बहुत आभारी हूं।'' महान विश्वनाथन आनंद के बाद गुकेश विश्व खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं। आनंद ने यहां अपनी अकादमी में युवाओं को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गुकेश के पिता डॉ. रजनीकांत (ईएनटी सर्जन) ने कहा कि उन्होंने अपने बेटे को शौक के तौर पर स्कूल में शतरंज सत्र में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया था।

उन्होंने कहा, ''आपको दिलचस्पी दिखाने के साथ कड़ी मेहनत करनी होगी नहीं तो कोई फायदा नहीं होगा। हमने उसे शतरंज खिलाड़ी बनाने की योजना नहीं बनाई थी। हमने पाठ्यक्रम से इतर गतिविधि के तौर पर वेलाम्मल स्कूल के शतरंज कक्षा में उसका नामांकन कराया था।''

उन्होंने कहा, ''उसने जब इस खेल में रुचि दिखाई और कड़ी मेहनत की तो हमने उसका पूरा समर्थन किया। एक माता-पिता के रूप में हमने उसे जितना संभव हो सके उतना एक्सपोजर' देने की कोशिश की। मैं अन्य माता-पिता को भी यही सुझाव दे सकता हूं।'' उन्होंने कहा, हमें आपके बच्चों की रुचि को यथासंभव अधिक से अधिक एक्सपोजर देने का प्रयास करना चाहिए।

वायनाड में आपदा प्रभावित लोगों के लिए टाउनशिप योजना बना रही केरल सरकार : विजयन ने सिद्दरामय्या से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

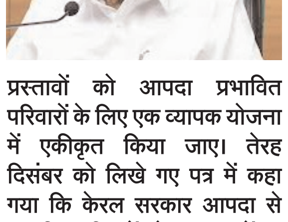

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कर्नाटक के अपने समकक्ष सिद्दरामय्या को सूचित किया है कि उनकी सरकार ने वायनाड में भूस्खलन से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए वायथिरी तालुका में दो स्थानों की पहचान की है, जहां वह मजबूत और आपदा-रोधी टाउनशिप स्थापित करने की योजना बना रही है। विजयन ने आपदा से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए 100 मकान बनाने की पेशकश किए जाने पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर उनका आभार भी व्यक्त किया।

सिद्दरामय्या ने विजयन को नौ दिसंबर को लिखे अपने पत्र में कहा था कि उनकी सरकार विनाशकारी भूस्खलन से प्रभावित परिवारों के वास्ते वायनाड में घर बनाने के लिए जमीन खरीदने के लिए तैयार है। विजयन ने सिद्दरामय्या को सूचित किया कि केरल सरकार वायनाड में आपदा प्रभावित परिवारों के लिए प्राप्त समर्थन के कई प्रस्तावों को लागू करने के लिए एक विस्तृत प्रायोजन ढांचे को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है।

उन्होंने अपने पत्र में कहा, यह रूपरेखा सुनिश्चित करेगी कि कर्नाटक सरकार सहित सभी उदार प्रस्तावों को आपदा प्रभावित परिवारों के लिए एक व्यापक योजना में एकीकृत किया जाए। तेरह दिसंबर को लिखे गए पत्र में कहा गया कि केरल सरकार आपदा से प्रभावित परिवारों को उन स्थानों पर पुनर्वासित करने की योजना बना रही है जो स्थिर हैं और भविष्य में आपदाओं के लिहाज से अति-संवेदनशील नहीं हैं। इसमें कहा गया कि यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि नए स्थान उनके पिछले घरों के काफी करीब हों, जिनसे लोग भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं।

अपने पत्र में, सिद्दरामय्या ने इस बात पर जोर दिया था कि उनकी सरकार की पहल का उद्देश्य उन लोगों के लिए एक सुरक्षित और स्थिर वातावरण प्रदान करना है जिन्होंने अपने घर, आजीविका और प्रियजनों को खो दिया है। इस साल 30 जुलाई को मुंडक्कई और चूरलमाला क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ था, जिससे दोनों क्षेत्र लगभग पूरी तरह से तबाह हो गए थे। इस आपदा में 200 से अधिक लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे।

जनजातीय परिवारों के जरूरतमंदों को प्राथमिकता से मिले आवास : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने जनजाति क्षेत्रों के विकास के लिए प्रभावी प्रयास किए जाने का आह्वान किया है। उन्होंने जनजातीय परिवारों के जरूरतमंदों को प्राथमिकता से आवास योजनाओं से लाभ पहुंचाने पर जोर दिया। राज्यपाल ने सोमवार को चितौड़गढ़ में जिला स्तरीय अधिकारियों से संवाद कर विभिन्न विकास योजनाओं के जिला स्तर पर क्रियान्वयन को लेकर संवाद किया।

राज्यपाल ने विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों को आर्थिक रूप से संबल प्रदान कराने तथा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने को लेकर जिला स्तर पर किए जा रहे विभिन्न प्रयासों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि किसी भी वस्तु का उत्पादन करना आसान होता है लेकिन इसकी मार्केटिंग भी उतनी ही जरूरी है । उन्होंने कहा कि स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न उत्पादों को स्थानीय तथा अन्य स्तर पर पर्याप्त मार्केटिंग कराने के अधिकारी प्रयास करें ताकि उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके। उन्होंने जिले में चिकित्सा सेवाओं की समीक्षा भी की। उन्होंने मेडिकल कॉलेज तथा स्थानीय स्तर पर तैयार होने वाले चिकित्सकों के स्थानीय स्तर पर सेवाएं देने के प्रयास करने को कहा।

राज्यपाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं शहरी में वंचितों को लाभ देने एवं अब तक की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। जिला प्रशासन द्वारा धनतेरस पर स्वीकृत आवासों का शिलान्यास करने के नवाचार को सराहा। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लखपति दीदी बनाने के लिए किए जा रहे जिला स्तरीय प्रयासों की जानकारी जिला कलेक्टर आलोक रंजन ने ली। राज्यपाल ने बैठक में केंद्र प्रायोजित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों में बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ, राइजिंग राजस्थान, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, ऊर्जा विभाग की पीएम सूर्यघर योजना एवं कुसुम योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना सहित विभिन्न योजनाओं को जिला स्तर एवं ग्रामीण स्तर पर क्रियान्वयन को लेकर जानकारी ली । बैठक में राज्यपाल ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जिला स्तर पर लगाए गए पेड़ों एवं उनकी सुरक्षा की जानकारी ली। बैठक में जिला कलक्टर आलोक रंजन ने विभिन्न योजनाओं की जानकारी पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से दी और जिले में हुए विभिन्न नवाचारों एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी। बैठक में जिला कलक्टर ने विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

जयपुर के सेंट्रल पार्क में सैर पर निकले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार सुबह यहां सेंट्रल पार्क में सैर की तथा वहां लोगों के साथ संवाद भी किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'फिट इंडिया' अभियान के संकल्प को साकार करने की दिशा में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने का संदेश दिया। आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री को अचानक अपने बीच पाकर लोग पहले तो आश्चर्यचकित हुए फिर उनके साथ ही कदमताल मिलाते हुए सैर करने लगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर व्यक्ति को सुबह-सुबह योग, व्यायाम या सुबह की सैर जरूर करनी चाहिए जिससे वे स्वस्थ रहेंगे तथा पूरे दिन ताजगी तथा ऊर्जावान रहते हुए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को शारीरिक गतिविधियों को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने सेंट्रल पार्क स्थित प्राचीन मन्दिर महामाया दरबार और बालाजी मन्दिर में दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने आमजन के साथ चाय पर चर्चा भी की। इस दौरान जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

अवलोकन

जयपुर में सोमवार को उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी वर्ल्ड क्राफ्ट काउंसिल द्वारा आयोजित 'जयपुर कांक्लेव' के उद्घाटन समारोह में सम्मिलित होकर राजस्थान सहित पूरे देश की पारंपरिक हस्तकला पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

राजस्थान के अनेक इलाकों में शीतलहर जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अनेक इलाकों में शीत लहर व अति शीतलहर का दौर जारी है और लगभग पूरे राज्य में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से कम बना हुआ है। बीती रात सीकर के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 0.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार बीते चौबीस घंटे में राज्य में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा। इस दौरान कुछ स्थानों पर शीतलहर/अतिशीत लहर दर्ज की गई। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 0.4 डिग्री सेल्सियस फतेहपुर में दर्ज किया गया।

इसके अलावा चुरू में न्यूनतम तापमान 1.5 डिग्री, अलवर में 2.2 डिग्री, सीकर में 2.5 डिग्री, संगरिया व पिलानी में 2.7 डिग्री, भीलवाड़ा व चित्तौड़गढ़ में 3.7 डिग्री, सिरोही में 4.9 डिग्री और श्रीगंगानगर में 5.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य के ज्यादातर हिस्सों में कई दिन से लगातार कड़ाके की सर्दी पड़ रही है और इसके अभी जारी रहने की संभावना है।

राजस्थान में कुछ स्थानों पर शीत लहर और अति शीत लहर दर्ज की गई है। इसी के साथ फतेहपुर सीकरी में न्यूनतम तापमान माइनस में दर्ज किया गया। यहां –0.4 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। वहीं राज्य के कुछ हिस्सों में अभी भी अधिकतम तापमान गर्मी का एहसास कर रहा है, जैसे बाड़मेर में अधिकतम तापमान 28.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी के साथ जानिए अगले तीन दिनों में कहां चल सकती है अति शीत लहर, जिसके लिए मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने आज 16 दिसंबर के लिए कुछ इलाकों में शीत लहर चलने का अनुमान लगाया है। इन इलाकों में अलवर, झुंझुनूं, सीकर, चुरू और हनुमानगढ़ शामिल हैं। इसके लिए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं अगले तीन दिन के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके लिए अति शीत लहर या पाला चलने या गिरने का अनुमान लगाया है। आज राज्य में आसमान मुख्य तौर पर साफ रहने की संभावना जताई गई है। यही अनुमान आने वाली 17 दिसंबर से 21 दिसंबर के लिए भी लगाया गया है।बीते दिन की बात करें तो फतेहपुर में –1.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया था। इसके साथ ही कई इलाकों में 1 डिग्री के आसपास तापमान दर्ज किया गया था। माउंट आबू में 1.2 डिग्री, चुरू में 1.6, भीलवाड़ा में 2.2,सीकर में 2.5, पिलानी, सांगरिया और सिरोही में 2.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था। इसके आलावा ऐसे कई इलाके थे, जहां पांच डिग्री के आसपास तापमान दर्ज किया गया था।

राज्यपाल ने किया दुर्ग का भ्रमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्तौड़गढ़। राजस्थान के राज्यपाल हरी भाऊ बागड़े सोमवार को चित्तौडगढ़ जिले के प्रवास पर पहुंचे। वे प्रातः उदयपुर से प्रस्थान कर पहले सांवलियाजी पहुंचे, जहां उन्होंने सांवलिया सेठ के दर्शन किए।

बाद में, राज्यपाल ने ऐतिहासिक चित्तौड़गढ़ दुर्ग का भ्रमण किया और कुम्भा महल, मीरा मंदिर, विजय स्तम्भ, जौहर स्थल सहित कई महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थलों की जानकारी ली। इस दौरान, चित्तौडगढ़ के कलेक्टर आलोक रंजन और जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी भी उनके साथ थे। मध्यान्ह 1.30 बजे राज्यपाल ने डीआरडीए सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक की। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, राज्यपाल सांय 3 बजे सड़क मार्ग से डबोक एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान करेंगे।

चित्तौड़ दुर्ग पर मीराबाई स्मारक को लेकर जोशी ने पूछा सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्तौड़गढ़/नई दिल्ली। चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान मीराबाई के स्मारक और चित्तौड़ दुर्ग पर पूर्वी दिशा में वैकल्पिक प्रवेश द्वार की मांग को लेकर सवाल उठाए। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने जवाब देते हुए बताया कि मीराबाई के 525वें जन्मोत्सव के अवसर पर चित्तौड़गढ़ में 21-23 दिसंबर को विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं, दुर्ग पर वैकल्पिक मार्ग के लिए राज्य सरकार को डीपीआर तैयार करने का निर्देश दिया गया है। डीपीआर के आधार पर पुरातात्विक सर्वेक्षण नियमों के तहत निर्णय लेगा।

लोकसभा में सांसद जोशी ने प्रश्न करते हुए कहा कि चित्तौड़ दुर्ग विश्व में अपनी पहचान रखता है। कहावत है कि 'गढ़ तो चित्तौड़ बाकी सब गढैया'। चित्तौड़ दुर्ग एशिया का सबसे बड़ा दुर्ग है तथा यहां का एक गौरवशाली इतिहास भी है। इस दुर्ग पर मीरा, पन्ना, पद्मिनी एवं महाराणा प्रताप का गौरवशाली इतिहास भी है।

सांसद जोशी ने सदन के माध्यम से मंत्री से प्रश्न किया कि प्रधानमंत्री ने मीराबाई के 525वें जन्मोत्सव वर्ष पर देश में विभिन्न ऐतिहासिक महत्व के स्थलों पर मीराबाई से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों को करने का निर्णय किया है। इससे क्या चित्तौड़गढ़ में भी मीराबाई के नाम से कोई स्मारक बनेगा क्या? इसके साथ ही चित्तौड़ दुर्ग में पूर्वी दिशा में भी द्वार के खोले जाने की लंबे समय से मांग है, तो उसके लिए क्या सरकार विचार कर रही है क्या?

सांसद जोशी के प्रश्न के जवाब में केन्द्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि भक्त शिरोमणी मीराबाई के 525वें जन्म जयंति के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मीराबाई के जीवन से जुड़े 4 स्थलों जन्म स्थल मेड़ता, विवाह स्थल चित्तौड़गढ़, भक्ति स्थल वृन्दावन, निर्वाणस्थली द्वारिका, जहां पर वे भगवान में समाहित हो गईं थी, वहां पर बड़े कार्यक्रम करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत चित्तौड़गढ़ में भी आगामी 21, 22 एवं 23 दिसम्बर को कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। मंत्री ने कहा कि दुर्ग पर वैकल्पिक मार्ग के लिए सांसद एवं जिला कलेक्टर ने मंत्रालय को पत्र लिखा है। मंत्रालय ने राज्य सरकार से उस पत्र के आधार पर उसकी डीपीआर को तैयार करने का आग्रह किया है। इसके बाद पुरातात्विक सर्वेक्षण अपने नियमों के अनुसार उसमें निर्णय कर पाएंगे।

मोदी देश के विकास को एक नई दिशा देना चाहते हैं : प्रेम चंद बैरवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान के उप-मुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की आकांक्षा है कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाया जाए। उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी की सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भजन लाल के नेतृत्व में जो दृष्टिकोण है, वह देश के विकास को एक नई दिशा देने के लिए है। उनका मुख्य उद्देश्य 2047 तक भारत को एक समृद्ध और विकसित राष्ट्र बनाना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमारे मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राजस्थान को एक नई दिशा देने का कार्य प्रारंभ किया है। उन्होंने राज्य के विकास के लिए राइजिंग राजस्थान जैसी महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत की है।

उन्होंने कहा, राजस्थान को एक समृद्ध राज्य बनाने के लिए मुख्यमंत्री भजन लाल ने उद्योगपतियों और व्यापारियों को राज्य में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया है। राज्य में अपार संभावनाएं हैं और उन्होंने उद्योगपतियों को बताया है कि यहां विकास की अपार संभावनाएं हैं। उनके दृष्टिकोण में यह साफ दिखाई देता है कि राजस्थान को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और इसके नागरिकों के जीवन स्तर को ऊंचा करने के लिए राज्य में बड़े पैमाने पर औद्योगिक निवेश की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा, भजन लाल की यह सोच राजस्थान के युवाओं को रोजगार देने, स्थानीय लोगों को सुविधाएं मुहैया कराने और राज्य को समग्र विकास की दिशा में अग्रसर करने में सहायक सिद्ध होगी। राज्य में औद्योगिक और आर्थिक विकास के साथ-साथ, वहां के लोगों को रोजगार के अधिक अवसर मिलेंगे, जिससे उनकी जीवनशैली में भी सुधार होगा।

उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा, कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर आलोचना करती है, उनके पास कोई स्पष्ट दृष्टिकोण या योजना नहीं है। वे केवल नकारात्मक बातें करते हैं, बिना किसी ठोस और व्यावहारिक समाधान के। ऐसा मालूम पड़ता है कि वे अंधेरे में लाठी मारने का काम कर रहे हैं। इस स्थिति में, भाजपा सरकार की विकासात्मक सोच और दृष्टिकोण ही राजस्थान और देश के लिए बेहतर साबित होगा। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री भजन लाल की पहल और उनके नेतृत्व में राजस्थान निश्चित रूप से विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा और इससे राज्य के हर नागरिक को लाभ होगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित करेगा कि राजस्थान को एक समृद्ध और रोजगार पूर्ण राज्य बनाने के लिए जो भी प्रयास किए जा रहे हैं, वे सफल हों।

कोचिंग क्लास में छात्रों के बेहोश होने का मामला : इमारत अस्थाई तौर पर सील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर ग्रेटर नगर निगम ने उस इमारत को सोमवार को अस्थाई तौर पर जांच के लिए सील कर दिया जसिमें पढ़ रहे कुछ छात्र-छात्राएं रविवार को अचानक बेहोश हो गए थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यहां गोपालपुरा बाईपास पर स्थित इस संस्थान में पढ़ रहे कुछ छात्र-छात्राओं ने अचानक सांस लेने में परेशानी व तेज सिरदर्द की शिकायत की थी। राजस्थान मानवाधिकार आयोग ने जहां सम्बद्ध कोचिंग संस्थान के खिलाफ कार्रवाई करने और पीड़ितों को मुफ्त इलाज और मुआवजा देने की सिफारिश की है, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य सरकार से कोचिंग संस्थानों को प्रताप नगर स्थित नवनिर्मित कोचिंग हब में स्थानांतरित करने की मांग की है। रविवार शाम हुई इस घटना में कोचिंग संस्थान की क्लास में बैठे सात विद्यार्थी बेहोश हो गए और कुछ अन्य बीमार पड़ गए। उन्हें अचानक सांस लेने में तकलीफ और तेज सिरदर्द की शिकायत हुई। इसको लेकर अफरा-तफरी मच गई और छात्र आनन-फानन में इमारत से बाहर निकल गए। बेहोश विद्यार्थियों को पास के अस्पताल ले जाया गया।

जयपुर ग्रेटर नगर निगम के मानसरोवर जोन के उपायुक्त लक्ष्मीकांत कटारा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि निगम और एफएसएल की एक टीम आज घटना की जांच के लिए कोचिंग संस्थान पहुंची। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर टीम ने कल शाम सीवेज लाइन की जांच की, लेकिन वह सही पाई गई और प्रथम दृष्टया वहां से कोई जहरीली गैस नहीं निकली। कटारा ने कहा, आज इमारत को अस्थायी रूप से सील कर दिया गया, ताकि विस्तृत जांच की जा सके। उपायुक्त ने जांच के लिए छह सदस्यीय समिति गठित की है। पुलिस के अनुसार, यह घटना संभवतः गटर से निकलने वाली गैस या संस्थान की छत पर बने किचन से निकलने वाले धुएं के कारण हुई है। राजस्थान मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) जीआर मूलचंदानी ने मामले का स्वत: संज्ञान लिया और राज्य सरकार से प्रभावित विद्यार्थियों को उचित एवं निशुल्क चिकित्सा सुविधा और मुआवजा प्रदान करने तथा कोचिंग संस्थान के प्रबंधन के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने को कहा। मूलचंदानी ने मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने घटना को चिंताजनक बताया है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा,कल रात जयपुर में एक कोचिंग संस्थान में हुई दुर्घटना चिंताजनक है। इस दुर्घटना में घायल हुए विद्यार्थियों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

गहलोत के अनुसार, कोचिंग संस्थानों में ऐसी दुर्घटनाएं कभी भी बड़ा रूप ले सकती हैं क्योंकि यहां क्षमता से अधिक विद्यार्थियों को पढ़ाया जाता है जो उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय कोचिंग संस्थानों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए थे एवं सोच-समझकर प्रतापनगर में कोचिंग हब बनाया गया था।

कांग्रेस नेता ने कहा, यह वर्तमान राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि कोचिंग संस्थानों के उचित प्रबंधन के लिए बनाए गए दिशा-निर्देशों को लागू करे एवं अविलंब सुनिश्चित करे कि सारे कोचिंग संस्थान पिछली सरकार द्वारा बनाए गए कोचिंग हब में स्थानांतरित किए जाएं।

जयपुर के गोपालपुरा बाईपास और आसपास के इलाकों में कई कोचिंग संस्थान हैं, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र पढ़ते हैं। ये संस्थान इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज प्रवेश परीक्षा, सिविल सेवा और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराते हैं। इस बीच, कोचिंग में पढ़ने छात्रों ने आरोप लगाया कि मामले को दबाया जा रहा है और उन्होंने संस्थान के भवन के बाहर धरना दिया। एक छात्र ने संवाददाताओं से कहा, कल छात्रों की संख्या आम दिनों की तुलना में कम थी। अचानक छात्रों को घुटन महसूस हुई और छह-सात छात्र बेहोश हो गए। घबराहट में छात्र बाहर भागे और बेहोश छात्रों को कक्षा से बाहर निकाला। हमने सड़क पर वाहनों को रोका और उनकी मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया।

उसके अनुसार, घटना के समय क्लास में करीब 350 छात्र थे। यह कोचिंग संस्थान महेश नगर थाने के अंतर्गत आता है। कोचिंग संस्थान से थाना कुछ ही मीटर की दूरी पर स्थित है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को नियंत्रित किया। कल रात एनएसयूआई के कुछ नेता भी मौके पर पहुंचे और कोचिंग छात्रों के साथ धरने में शामिल हो गए। उनकी पुलिसकर्मियों के साथ नोकझोंक भी हुई।

पुराण कहता है कि श्री हरि विष्णु का दसवां अवतार संभल में होगा : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को संभल और बहराइच की सांप्रदायिक हिंसा पर विपक्ष को जवाब देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बाबरनामा भी कहता है कि (संभल में) हरिहर मंदिर को तोड़कर ढांचा खड़ा किया गया और पुराण कहता है कि श्री हरि विष्णु का दसवां अवतार संभल में होगा।

प्रश्नकाल के बाद विधानसभा में नेता सदन योगी आदित्यनाथ ने संभल और बहराइच में हाल में हुई हिंसा को लेकर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय एवं अन्य समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों की चर्चा कराने की मांग पर पलटवार करते हुए कहा कि विपक्ष सच पर पर्दा डालने का प्रयास कर रहा है, लेकिन सूर्य, चांद और सत्य को बहुत देर तक कोई छिपाया नहीं जा सकता, सत्य जल्द सामने आएगा। उन्होंने कहा कि बाबरनामा भी कहता है कि हरिहर मंदिर को तोड़कर ढांचा खड़ा किया गया तथा पुराण भी कहता है कि श्री हरि विष्णु का दसवां अवतार संभल में होगा। इसके पहले सदन में संभल से सपा सदस्य इकबाल महमूद ने कहा कि एक प्रार्थना पत्र न्यायालय में दिया जाता है जिसमें संभल में शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के लिए अनुरोध किया गया और उसी दिन दो घंटे के अंदर दल को सर्वेक्षण के लिए भेज दिया गया। सपा सदस्य ने कहा, सर्वेक्षण में जामा मस्जिद प्रबंधन ने पूरा सहयोग किया लेकिन जैसे ही वे लोग चले गए, जय श्रीराम के नारे लगाने लगे। जिससे सपा ही नहीं, पूरा संभल इस पर आक्रोशित हो गया। उन्होंने कहा, (नवंबर की) 23 तारीख की रात संभल के अधिकारियों ने कहा कि 24 तारीख को दोबारा सर्वेक्षण होगा। इसके बाद लोगों ने कहा कि दोबारा सर्वेक्षण की क्या जरूरत है लेकिन वे लोग नहीं माने और लखनऊ से आदेश हो गया कि 24 को ही सर्वेक्षण कराना है।

इकबाल महमूद ने दावा करते हुए कहा कि दोबारा सर्वेक्षण कराने का आदेश इसलिए दिया गया क्योंकि 23 नवंबर को कुंदरकी विधानसभा उपचुनाव का परिणाम आया और चूंकि वहां के मुसलमानों का वोट जबरन डलवा दिया गया, इसलिए यह आदेश आया ताकि कोई विरोध न हो। सपा सदस्य ने यह भी कहा कि लोगों ने फिर दोबारा 'जय श्रीराम' के नारे लगाए और भीड़ एकत्र हुई तो गोलीबारी शुरू हो गई और पांच लोगों की मौत हो गई, जिसमें एक व्यक्ति का पोस्टमार्टम नहीं हुआ और उसे जबरन दफन कर दिया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदस्यों का जवाब देते हुए राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के हवाले से बताया कि 2017 से लेकर अब तक प्रदेश में सांप्रदायिक दंगों में 97 से 99 फीसदी तक की कमी आई है। योगी ने दावा किया कि 2017 से अब

तक राज्य में दंगे नहीं हुए हैं, जबकि 2012 से 2017 (सपा कार्यकाल) तक राज्य में 815 सांप्रदायिक दंगे हुए थे और 192 लोगों की मौत हुई थी। योगी का कहना है कि 2007 से 2011 के बीच 616 सांप्रदायिक घटनाएं हुईं, इसमें 121 लोगों की मौत हुई। योगी ने कहा, आखिर तथ्यों को छिपाकर कब तक जनता को गुमराह करेंगे। संभल में माननीय न्यायालय के आदेश पर सर्वेक्षण हो रहा था। जय श्री राम सांप्रदायिक संबोधन नहीं है। राम के बिना हमारा कोई काम ही नहीं है। उन्होंने कहा, 'जय श्री राम बोलने पर उत्तेजना फैलने से नीयत सभी लोग समझ सकते हैं। उन्होंने कहा, वहां का पठान और शेख कह रहा है कि हमारे पूर्वज हिंदू थे, आपके पूर्वज भी हिंदू थे। यह देशी-विदेशी मुसलमानों की आपसी भिड़ंत है, जो वर्चस्व की लड़ाई को लेकर चल रही है। योगी ने कहा कि संभल में तुर्क व पठान का विवाद चल रहा है। शफीकुर्रहमान बर्क (सपा के दिवंगत पूर्व सांसद) खुद को भारत का नागरिक नहीं, बल्कि बाबर की संतान कहते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपको तय करना है कि आक्रांताओं को अपना आदर्श मानते हैं या राम-कृष्ण, बुद्ध की परंपरा को। भारत में राम-कृष्ण व बुद्ध की परंपरा ही रहेगी, बाबर और औरंगजेब की परंपरा नहीं रहेगी। मुख्यमंत्री ने सवाल उठाते हुए कहा कि मुस्लिम समाज का जुलूस मंदिर के सामने से निकल जाता है, कोई समस्या नहीं होती है। हिंदू समाज की शोभायात्रा मस्जिद के सामने से निकलती है तो दिक्कत क्यों होती है? हिंदू पर्व के दौरान यदि किसी ने समस्या खड़ी की तो सरकार सख्ती से निपटेगी। अल्लामा इकबाल की नज्म को लेकर भी योगी ने विपक्ष पर करारा हमला किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता यहां एक कविता सुना रहे थे। सच को स्वीकार करने की सामर्थ्य नहीं है, इसलिए वो चले गए। एक दोहरे चरित्र के व्यक्ति के द्वारा जो पहले कुछ पंक्तियां लिखता है और बाद में उसका चरित्र कैसे बदल जाता है। योगी ने इकबाल की पूर्व की और बाद की कविता भी सुनाई।

संभल मामले पर योगी ने कहा कि माननीय न्यायालय के निर्देश पर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक शांतिपूर्ण तरीके से सर्वेक्षण को संपन्न कराते हैं। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण के दौरान पहले दो दिन शांतिभंग नहीं हुई।

योगी ने दावा किया, 23 नवंबर को जुमे की नमाज के दौरान जिस प्रकार की तकरीरें दी गई, उसके बाद माहौल खराब हुआ, उसके बाद की स्थितियां सबके सामने हैं।

नेता सदन ने कहा, संभल में माहौल खराब किया गया। 1947 से अनवरत दंगे हुए। 1947 में एक मौत और 1948 में छह लोग मारे गए। 1958-1962 में दंगा, 1976 में पांच लोगों की मौत हुई थी। उन्होंने कहा,''1978 में 184 हिंदुओं को सामूहिक रूप से जला दिया गया था। अनवरत कई महीनों तक कर्फ्यू लगा। 1980-1982 में दंगा और एक-एक व्यक्ति की मौत हुई। 1986 में चार लोग मारे गए। 1990-1992 में पांच, 1996 में दो मौत हुई। लगातार यह सिलसिला चलता रहा।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि ''1947 से अब तक संभल में 209 हिंदुओं की हत्या हुई और एक भी बार निर्दोष हिंदुओं के लिए दो शब्द नहीं कहे। घड़ियाली आंसू बहाने वाले लोगों ने निर्दोष हिंदुओं के बारे में दो शब्द नहीं कहे। मुख्यमंत्री ने कहा,''संभल में बजरंग बली का जो मंदिर आज निकल रहा है। 1978 से उस मंदिर को इन लोगों ने खुलने नहीं दिया।

अगर चुनाव लड़ना नहीं आता तो ईवीएम को दोष देना बंद करें राहुल गांधी : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा कांग्रेस पर कई मुद्दों को लेकर तीखा हमला बोले जाने के बाद सोमवार को राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर उन्हें चुनाव लड़ना नहीं आता तो उन्हें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को दोष नहीं देना चाहिए। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस नेता पर निशाना साधते हुए कहा, नेता बनने का गुण होता है, वह आपको अंदर से लाना पड़ेगा। थोपने से नहीं होता है। आपके पास एक नेता के गुण होने चाहिए। जबरदस्ती मैं नेता हूं, मैं नेता हूं...कहने और सफेद टी-शर्ट पहनकर ऐसे बैठने से कोई नेता नहीं हो जाता। उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता ने लोकसभा में विपक्ष के नेता के आचरण के कारण राहुल गांधी को अपना संदेश दो टूक तरीके से पहुंचा दिया है। अब्दुल्ला ने शुक्रवार को 'पीटीआई-भाषा' को दिए विशेष साक्षात्कार में कांग्रेस पार्टी की ईवीएम पर तीखी आपत्ति को खारिज किया था और कहा था कि ऐसा नहीं हो सकता कि जब आप चुनाव जीतें तो परिणाम स्वीकार कर लें और जब हार जायें तो ईवीएम पर दोष मढ़ दें। उन्होंने कहा था, इसी ईवीएम के इस्तेमाल से (हुए चुनाव के बाद) संसद में आपके सौ से अधिक सदस्य पहुंच जाते हैं तो आप अपनी पार्टी की जीत का जश्न मनाते हैं, फिर आप कुछ महीने बाद पलटकर यह नहीं कह सकते कि... हमें ये ईवीएम पसंद नहीं हैं क्योंकि अब चुनाव के परिणाम उस तरह नहीं आ रहे हैं जैसा हम चाहते हैं।

उत्तर प्रदेश: एक्सप्रेस ट्रेन के कोच से धुआं निकलने से अफरातफरी मची

देवरिया (उत्तर प्रदेश)/भाषा। छपरा से मथुरा जा रही एक्सप्रेस ट्रेन में सवार यात्रियों में सोमवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक कोच से अचानक धुआं निकलने लगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, ब्रेक जाम होने के कारण कोच से धुआं निकला था जिसे तुरंत ही दुरुस्त कर दिया गया। यह घटना गौरी बाजार और बैतालपुर रेलवे स्टेशन के बीच मथुरा सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन में हुई। अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन को रोक दिया गया और गार्ड व चालक ने समस्या का तुरंत समाधान कर दिया। इसके बाद ट्रेन करीब 30 मिनट की देरी से अपनी मंजिल के लिए रवाना हुई। गौरी बाजार रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर भरत कुमार ने बताया, एक कोच में धुआं निकलने की सूचना मिलने पर ट्रेन को रोक दिया गया और चालक तथा गार्ड ने जाम हुए ब्रेक को ठीक किया, जिससे धुआं निकल रहा था। उन्होंने बताया कि घटना के दौरान किसी यात्री को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। स्टेशन मास्टर ने बताया, ब्रेक के ठीक से काम करने की पुष्टि करने के बाद ट्रेन को करीब आधे घंटे की देरी से रवाना किया गया।

तृणमूल का आरोप : आरबीआई और वित्त मंत्री के बीच विवाद के कारण शक्तिकांत दास ने छोड़ा पद

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय रिजर्व बैंक के निवर्तमान गवर्नर शक्तिकांत दास के पद छोड़ने की वजह रेपो रेट को लेकर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से उनका टकराव है। पार्टी ने अदाणी मामले में भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख से संबंधित आरोपों की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की कांग्रेस की मांग का समर्थन भी किया।

तृणमूल कांग्रेस सांसद सौगत रॉय ने 'वर्ष 2024-25 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांग के प्रथम बैच' पर लोकसभा में चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि केंद्र सरकार में वित्त मंत्री और रिजर्व बैंक के निवर्तमान गवर्नर शक्तिकांत दास के बीच विवाद हुआ है। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक रेपो रेट यथावत रखना चाहता था, लेकिन वित्त मंत्री ने इसे कम करने का निर्णय लिया, जिससे (नाराज होकर) दास को पद छोड़ना पड़ा है। रॉय ने संविधान के 75 साल पूरे होने पर लोकसभा में हुई चर्चा के जवाब में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लगभग पौने दो घंटे लंबे भाषण का हवाला देते हुए कहा कि उस दिन लग रहा था कि मोदी किसी स्कूल में भाषण दे रहे हैं, लेकिन उन्होंने अर्थव्यवस्था पर कुछ नहीं बोला। रॉय ने मोदी सरकार पर बड़ी कंपनियों के साथ सांठगांठ का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल की अनदेखी की है और विभिन्न मदों में उसके हक के पैसे नहीं दिए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने पश्चिम बंगाल को करीब 2500 करोड़ रुपए मनरेगा का बकाया नहीं दिया है।

बांग्लादेश में हिंदुओं को बचाने के लिए तत्काल कार्रवाई करे सरकार, बयान दे: लोस में सांसदों की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वर्ष 1971 में आज के दिन पाकिस्तान पर भारत की जीत के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे विजय दिवस का उल्लेख करते हुए सोमवार को लोकसभा में अनेक सदस्यों ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का मुद्दा उठाया और सरकार से मांग की कि पड़ोसी देश के शासन से बात करनी चाहिए। उन्होंने सरकार से इस बाबत सदन में बयान देने की भी मांग की।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने शून्यकाल में कहा, आज विजय दिवस है। 1971 के युद्ध में शहीद हुए सभी सैनिकों को और देश की जनता को आज के दिन नमन है। उन्होंने कहा कि उस युद्ध के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कठिन से कठिन परिस्थिति में साहस दिखाया और ऐसा नेतृत्व दिखाया जिससे देश की विजय हुई।

कांग्रेस सांसद ने उस युद्ध के परिणामस्वरूप बांग्लादेश के निर्माण का जिक्र करते हुए कहा कि आज पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों हिंदुओ और ईसाइयों पर अत्याचार के खिलाफ इस सरकार को आवाज उठानी चाहिए और बांग्लादेश सरकार से बातचीत करनी चाहिए।

विजय दिवस प्रत्येक वर्ष 16 दिसंबर को मनाया जाता है। यह 1971 में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध में भारतीय सेना के अदम्य साहस व शहीद जवानों के बलिदान को याद करने का दिन है। शून्यकाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के निशिकांत दुबे ने कहा कि 16 दिसंबर 1971 को बांग्लादेश बना था और उस समय भारतीय सेना तथा तत्कालीन नेतृत्व ने बड़ा योगदान दिया था। उन्होंने कहा कि उस युद्ध में नजरूल इस्लाम और जगजीवन राम जैसे नेताओं के योगदान को इतिहास ने भुला दिया है। दुबे ने कहा, युद्ध के समय इंदिरा जी के योगदान को कोई नकार नहीं रहा, लेकिन जगजीवन राम के योगदान को भी याद रखा जाए। तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंदोपाध्याय ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के मुद्दे पर कहा, मुझे हैरानी है कि सरकार इस मुद्दे पर चुप क्यों है। संसद चल रही है। सरकार बयान दे और बताए कि क्या स्थिति है। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री या प्रधानमंत्री को सदन में आकर बयान देना चाहिए और बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों को बचाया जाना चाहिए। कांग्रेस के सतपाल ब्रह्मचारी, प्रशांत पडोले और शिवसेना के नरेश म्हास्के ने भी बांग्लादेश में हिंदुओं और उनके मंदिरों पर हमले का मुद्दा उठाते हुए सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की। पडोले ने पाकिस्तान में बंद कुलभूषण जाधव की सुरक्षित वापसी के लिए भी प्रयास करने की सरकार से मांग की।

समाजवादी पार्टी ने किसानों का कर्ज माफ करने की केंद्र से मांग की

नई दिल्ली/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) ने केंद्र पर किसानों के प्रति उदासीन रवैया अपनाने का सोमवार को आरोप लगाया और किसानों का कर्ज माफ करने की मांग की।

समाजवादी पार्टी के लालजी वर्मा ने 'वर्ष 2024-25 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगें-प्रथम बैच' पर लोकसभा में चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि जब तक देश के अन्नदाता की स्थिति अच्छी नहीं होगी तब तक देश की भी हालत अच्छी नहीं होगी। उन्होंने सरकार पर फसल बीमा कंपनियों से सांठगांठ का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार ने ऐसे तरीके अपनाए हैं, जिससे बीमा कंपनियों को फसल नुकसान की स्थिति में किसानों को कुछ देना न पड़े, बल्कि उन्हें केवल लाभ ही लाभ प्राप्त हो। उन्होंने किसानों की ऋण माफी की लंबित मांग का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने बड़ी कंपनियों के 18 लाख करोड़ रुपए माफ कर दिए हैं, लेकिन किसानों का ऋण माफ नहीं किया जा सका है।

वर्मा ने कहा कि किसान परेशान हैं, डीएपी जैसे उर्वरक पर सब्सिडी की आवश्यकता है, लेकिन दाम बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने कहा, किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य की लड़ाई लड़ रहा है। हमारे अन्नदाता की हालत अच्छी नहीं होगी तो देश की (भी) हालत अच्छी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि किसान की फसल लागत कम करना जरूरी है, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हो पा रहा है, कम बजट में विद्युत कनेक्शन नहीं मिल पा रहा है। अनुदानों की अनुपूरक मांगों के बारे में उन्होंने कहा कि बजट को लेकर सरकार की तैयारी इतनी अच्छी नहीं रही, अन्यथा कुछ ही महीनों में अनुपूरक मांग की आवश्यकता नहीं पड़ती। राजग सरकार का बजट अच्छा नहीं होने के कारण देश में आर्थिक असमानता बढ़ रही है। समाजवादी पार्टी के ही सांसद आनंद भदौरिया ने कहा कि उत्तर प्रदेश में डीएपी की भारी किल्लत है और किसान लाठी खाने को मजबूर हैं।

मणिपुर में प्रवासी मजदूरों की हत्या मामले में सात उग्रवादियों को हिरासत में लिया गया : एन बीरेन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सोमवार को कहा कि बिहार के दो प्रवासी मजदूरों की हाल ही में हुई हत्या के मामले में एक उग्रवादी संगठन के संदिग्ध सात सदस्यों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

पुलिस ने बताया कि मणिपुर के काकचिंग जिले में शनिवार शाम को बिहार के दो किशोरवय निर्माण मजदूरों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हत्याओं पर शोक व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। सिंह ने विजय दिवस समारोह से इतर संवाददाताओं से बातचीत में कहा, हमें हत्याओं के पीछे राजनीतिक रूप से प्रेरित समूहों का हाथ होने का संदेह है। एक संगठन के सात सदस्यों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। निश्चित रूप से हम अपराधी का पता लगा लेंगे। उन्होंने विजय दिवस को लेकर कहा, मैं बांग्लादेश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सभी शहीदों को नमन करता हूं। इस अभियान में मणिपुर के कई सिपाहियों और अधिकारियों ने हिस्सा लिया था। मैं सभी शहीदों के परिवारों और भारतीय सेना द्वारा आजाद कराए गए बांग्लादेशियों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। एक भारतीय होने के नाते हमें इस पर गर्व है। सिंह ने बाद में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा, आज, इंफाल के प्रथम एमआर बैंक्वेट हॉल में विजय दिवस के अवसर पर, मैं 1971 के युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर सैनिकों को अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

नेहरू पर तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने के लिए कांग्रेस ने प्रधानमंत्री से माफी की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर राज्यों को आरक्षण को लेकर पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा लिखे गए पत्र के बारे में ''तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर'' देश को गुमराह करने का आरोप लगाया और माफी की मांग की।

राज्यसभा में 'भारतीय संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' पर चर्चा में भाग लेते हुए, खरगे ने भाजपा नेताओं पर प्रधानमंत्री मोदी की 'भक्ति' में लिप्त होने का भी आरोप लगाया और कहा कि यह स्थिति देश को तानाशाही की ओर ले जा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने मोदी के भाषण का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि 1947-1952 के बीच कोई निर्वाचित सरकार नहीं थी और कांग्रेस ने अवैध रूप से संविधान में संशोधन किया था। खरगे ने कहा कि पहला संशोधन संविधान सभा के सदस्यों द्वारा किया गया था, जिसमें श्यामा प्रसाद मुखर्जी भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि यह संशोधन अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति को आरक्षण प्रदान करने, शिक्षा, रोजगार से संबंधित समस्याओं को दूर करने और जमींदारी प्रथा को खत्म करने के लिए किया गया था। उन्होंने कहा कि इस संशोधन का दूसरा पहलू सांप्रदायिक दुष्प्रचार को रोकना था और सरदार पटेल ने तीन जुलाई 1950 को एक पत्र में नेहरू को सुझाव दिया था कि संविधान संशोधन ही इस समस्या का एकमात्र समाधान है।

प्रधानमंत्री का जिस दिन आदेश होगा, तत्काल मंत्री पद से इस्तीफा दे दूंगा : आशीष पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दल अपना दल (एस) के वरिष्ठ नेता एवं उत्तर प्रदेश सरकार के प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने अपने विभाग में पदोन्नति में कथित अनियमितता के मामले को लेकर अपनी 'राजनीतिक हत्या' की साजिश का आरोप लगाते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जिस दिन आदेश होगा वह तत्काल मंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे।

प्राविधिक शिक्षा विभाग में 100 से अधिक व्याख्याताओं को नियम के खिलाफ पदोन्नत करने से आरक्षित वर्ग के वंचित रह जाने के आरोपों के बीच रविवार देर रात सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर आशीष पटेल ने यह प्रतिक्रिया दी। सोमवार से शुरू राज्य विधानमंडल के सत्र के बीच राजग के घटक दल के कोटे से आने वाले मंत्री के इस बयान से राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के पति आशीष पटेल ने कहा, मीडिया और सोशल मीडिया पर मेरी 'राजनीतिक हत्या' की साजिश के तहत तथ्यहीन और बेबुनियाद आरोप लगाए जा रहे हैं। मेरे मंत्रित्व काल में प्राविधिक शिक्षा विभाग में वंचित वर्ग से आने वाले कर्मियों के हितों की रक्षा को लेकर उठाए गए कदमों का उप्र को पता है। पटेल ने कहा, सबको पता है कि इसके पीछे कौन है। आगे और भी ऐसे आरोप लगेंगे। ऐसे मिथ्या आरोपों से डरने वाले कोई और होंगे। एस वंचितों के हक की लड़ाई से पीछे नहीं हटने वाला।

दीपिका ने सफलता का श्रेय टीम की साथी खिलाड़ियों को दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारत की महिला जूनियर एशिया कप जीत की सूत्रधार रहीं दीपिका ने सफलता का श्रेय टीम के सामूहिक प्रयास को दिया और कहा कि यह उनकी साथी खिलाड़ियों के समर्थन के बिना संभव नहीं होता। दीपिका ने टूर्नामेंट का समापन शीर्ष गोल स्कोरर के रूप में किया और उनके नाम 12 गोल रहे जिसमें से पांच गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए।

शुरुआती चार मैच में 11 गोल करने वाली दीपिका ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा, मैं बेहद खुश हूं कि मैं इतने गोल करने में सफल रही लेकिन यह मेरी साथियों की मदद के बिना संभव नहीं होता। उन्होंने कहा, शिविर में प्रत्येक खिलाड़ी ने बहुत मेहनत की और सभी के प्रयास के

बिना हम खिताब नहीं जीत पाते। अग्रिम पंक्ति की अन्य खिलाड़ियों की बदौलत हमने कई पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए और मैं उन्हें गोल में बदलने में सफल रही। टीम के युवा खिलाड़ियों की क्षमता पर दीपिका ने कहा, कुछ युवा खिलाड़ियों में अविश्वसनीय क्षमता है और मुझे यकीन है कि वे टीम की सफलता को और आगे बढ़ाएंगे। भारत ने मस्कट में महिला जूनियर एशिया कप हॉकी के फाइनल में पेनल्टी शूट आउट में तीन बार के चैंपियन चीन को 3-2 (1-1) से हराया। टीम के प्रदर्शन से उत्साहित कप्तान ज्योति सिंह ने कहा, मुझे खुशी है कि ट्रेनिंग के दौरान टीम की कड़ी मेहनत आखिरकार रंग लाई। हमने पूरे टूर्नामेंट में शायद ही कोई गलती की और मुझे अपनी साथियों पर इतने उच्च स्तर का प्रदर्शन करने पर गर्व है। भारत पूल ए में दूसरे स्थान पर रहा जिसमें चीन, मलेशिया, थाईलैंड और बांग्लादेश भी शामिल थे। टूर्नामेंट में भारत को एकमात्र हार चीन के खिलाफ 1-2 से ग्रुप चरण में मिली। फाइनल में चीन ने दूसरे क्वार्टर में पेनल्टी स्ट्रोक पर बढ़त बनाई जबकि भारत ने तीसरे क्वार्टर में कनिका सिवाच के गोल से बराबरी हासिल कर ली। मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में गया जिसे भारत 3-2 से जीतकर चैंपियन बना। गोलकीपर निधि ने लिहांग वैंग, जिंगई ली और डंडन झुओ के खिलाफ शूटआउट में तीन प्रयास बचाकर सूर्खियां बटोरीं। ज्योति ने कहा, फाइनल में चीन का सामना करना एक चुनौती थी लेकिन हमने मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और ट्रॉफी जीतकर लाए। उन्होंने कहा, दीपिका ने शानदार प्रदर्शन किया। कनिका सिवाच, सुनीता टोप्पो और मुमताज खान ने आक्रमण में अच्छा प्रदर्शन किया और दीपिका को गोल करने में सहायता की।

मोहम्मद सिराज ने दर्द के बावजूद गेंदबाजी की: जसप्रीत बुमराह

ब्रिसबेन/भाषा। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सोमवार को खुलासा किया कि मोहम्मद सिराज दर्द में होने के बाद बावजूद गेंदबाजी कर रहे है। बुमराह ने 'बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी' में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी तीसरे टेस्ट में चोटिल होने के बावजूद गेंदबाजी करने पर सिराज की तारीफ की। सिराज ने इस टेस्ट मैच की पहली पारी में 23.2 ओवर में दो विकेट लिए। बुमराह ने कहा कि सिराज ने दर्द में होने के बावजूद टीम का साथ दिया। बुमराह ने इस मैच में एक बार फिर शानदार गेंदबाजी करते हुए 76 रन देकर छह विकेट लिए। बुमराह ने मैच के तीसरे दिन कहा, हमने इस बारे में बात की है। यह बातचीत हालांकि यहां (ब्रिसबेन) आने से पहले हुई थी। वह पर्थ (पहले टेस्ट) और फिर पिछले मैच में वह बहुत अच्छी स्थिति में था। उन्होंने कहा, वह अच्छी गेंदबाजी कर रहा है और उसने कुछ विकेट भी लिए है। इस मैच में भी मैच उसे श्रेय देन चाहूंगा क्योंकि उसने दर्द में होने के बावजूद गेंदबाजी जारी रखी क्योंकि उसे पता है कि वह अगर ड्रेसिंग रूम में चला गया और गेंदबाजी नहीं की तो इससे टीम की मुश्किलें बढ़ जायेंगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उसके पास जज्बा है और वह संघर्ष करना पसंद करता है। सिराज ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया की पारी के 37 वें ओवर में दूसरा गेंद डालने के बाद फिजियो को मैदान पर बुलाया और फिर बाहर चले गए।

सुविचार

इंसान एक दुकान है और जुबान उसका ताला.. ताला जब खुलता है तब मालूम होता है कि, दुकान सोने की है या कोयले की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इन्साफ की उम्मीद

अतुल सुभाष आत्महत्या मामले में बेंगलूरु पुलिस द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी से इन्साफ की उम्मीद जगी है। अब अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे पर्याप्त सबूत जुटाएं और अतुल को इन्साफ दिलाएं। इस समूचे घटनाक्रम ने कई बड़े सबक दिए हैं। अब ऐसा न हो कि चार दिन बाद लोग किसी सेलिब्रिटी की शादी को लेकर चर्चा करने लगें और सबकुछ भूल जाएं। यह हमारे पारिवारिक और सामाजिक जीवन से संबंधित अत्यंत महत्त्वपूर्ण बिंदु है। इस घटना के बाद कई जगह रिश्तों में अविश्वास बढ़ने की आशंका है, जिसे हमें रोकना होगा। अगर किसी रिश्ते से विश्वास खत्म हो जाए तो पीछे क्या रह जाता है? विश्वास है तो प्रेम है, प्रेम है तो परिवार है, परिवार है तो समाज है और समाज है तो देश है। क्या वजह है कि हमारे दादा, परदादा के वैवाहिक रिश्ते अटूट होते थे? वे आखिरी सांस तक रिश्ते निभाते थे। यही नहीं, एक जाति के लोग दूसरी जाति में धर्मभाई/बहन बनाते थे और उनका बहुत सम्मान करते थे! दूसरी ओर, आज कई परिवारों में नौजवान बच्चों की शादी होते ही सालभर में मामले अदालतों तक चले जाते हैं! पहले, शादी के लिए लड़का/लड़की ढूंढ़ते तो उसके खानदान, चाल-चलन आदि के बारे में सबकुछ मालूम हो जाता था। अब लोग धोखा खा रहे हैं। महानगरों से लेकर कस्बों तक प्राइवेट डिटेक्टिव की मांग बहुत बढ़ गई है। लोग सोचते हैं कि शादी में लाखों-करोड़ों रुपए खर्च कर रहे हैं ... कुछ रुपए डिटेक्टिव पर खर्च करने में क्या हर्ज है? बात ठीक भी है। जब ब्याह-शादी का मतलब ही लाखों-करोड़ों का खर्च हो तो तसल्ली कर लेनी चाहिए।

वास्तव में जहां रिश्ता सिर्फ और सिर्फ धन देखकर किया जाता है, वहां देर-सबेर दरार पड़ती ही पड़ती है। गुजर-बसर के लिए धन एक हद तक जरूरी है। सिर्फ धन से परिवार नहीं चलते। कितने ही धनी परिवार ऐसे हैं, जिनके सदस्यों के आपस में ही मुकदमे चल रहे हैं। कोई झुकने को तैयार नहीं है। यह भी देखा गया है कि जब वे लोग साधारणसे घर में रहते थे, साथ बैठकर खाना खाते थे, साथ धारावाहिक देखते थे, साथ घूमने जाते थे तो किसी ने सपने में भी मुकदमेबाजी के बारे में नहीं सोचा था। जब 'मकान' भव्य हो गया, पैसा हावी हो गया, सब अलग-अलग बैठकर खाना खाने लगे, अलग बैठकर ओटीटी पर मनपसंद सामग्री देखने लगे, अलग टिकटें बुक करवाकर घूमने लगे तो छोटी-छोटी बातों का हल मुकदमेबाजी में सूझने लगा! भारतीय समाज में यह प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है, जो अत्यंत आत्मघाती है। लोगों को सेलिब्रिटी के जूतों, हेयर स्टाइल, डायलॉग के बारे में बहुत कुछ याद रहता है, लेकिन यह याद नहीं रहता कि पिछली बार परिवार के साथ दिल खोलकर कब हंसे थे! जिसके पास जितना ज्यादा पैसा रहता है, वह अन्य लोगों से उतनी ही ज्यादा दूरी बनाने लगता है। जिसके पास ज्यादा पैसा नहीं होता, उसकी सही बात को भी खारिज कर दिया जाता है। उसके बच्चों से स्नेह कम ही जताया जाता है। जब रिश्ते की बुनियाद विश्वास और प्रेम के बजाय धन को बनाएंगे तो सर्वत्र समस्याएं ही पैदा होंगी। वह रिश्ता तब तक ही चलेगा, जब तक धन रहेगा। जब धन नहीं रहेगा, तो वह रिश्ता भी बिखर जाएगा। तब लोगों की आखिर तक यही कोशिश रहेगी कि थोड़ा पैसा और निकलवा लूं। अपने बच्चों के रिश्ते अथाह धन, लंबी-चौड़ी जायदाद, रुतबा, ओहदा देखकर तय करने के बजाय परिवार, संस्कार, चरित्र, ईमानदारी, सदाचार, समझदारी और अच्छा स्वभाव देखकर करेंगे तो उनके सुखी रहने की संभावना ज्यादा रहेगी। बिल्कुल ही अनजान परिवार में रिश्ता तय करने के अपने जोखिम हैं। इस बिंदु को ध्यान में रखना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

विश्व विख्यात तबला वादक पद्म विभूषण उस्ताद जाकिर हुसैन जी का निधन अत्यंत दु:खद है। उनका जाना भारतीय शास्त्रीय संगीत जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। इस अत्यंत दु:खद घड़ी में मेरी गहरी संवेदनाएं उनके परिवारजनों, शिष्यों और असंख्य प्रशंसकों के साथ हैं।

-भजनलाल शर्मा

वर्ष 1971 में आज के ही दिन भारतीय सेना ने अपने अदम्य साहस और पराक्रम से पाकिस्तानी सेना को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। अपने शौर्य और बलिदान से भारत की विजय गाथा लिखने वाले मां भारती के वीर सपूतों को कोटि-कोटि नमन।

-वसुंधरा राजे

राजस्थानी हस्तशिल्प जैसे ब्लॉक प्रिंटिंग, धातु शिल्प, काठ एवं संगमरमर की नक्काशी, कढ़ाई आदि प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और समृद्ध इतिहास का भी प्रतीक है। इन कला रूपों में परंपरा, श्रम और कारीगरी की अनमोल छाप देखने को मिलती है।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

कुदरत के प्रति कृतज्ञता

धर्म का संदेश देते हुए भगवान बुद्ध एक गांव की ओर जा रहे थे। विश्राम के लिए वे तालाब किनारे वृक्ष के नीचे बैठ गए। तालाब में सुंदर कमल के पुष्प खिले थे। वे उनकी अनोखी छटा देखकर अभिभूत हो उठे और तालाब के जल में उतर गए। कमल की अनूठी सुगंध से वे सुध-बुध खो बैठे। सुगंध से तृप्त होकर जैसे ही वे जलाशय से बाहर निकले कि देवकन्या की वाणी उनके कानों में आई, 'महात्मन, तुम बिना कुछ दिए इन पुष्पों की सुरभि का सेवन करते रहे। यह चौर्य-कर्म है।' बुद्ध हतप्रभ खड़े रहे। तभी एक व्यक्ति तालाब में प्रवेश कर कमल तोड़ने लगा। बुद्ध ने कहा, 'देवी, मैंने तो केवल खुशबू का ही सेवन किया था। तुमने मुझे चोर कह दिया। उस मनुष्य ने तो फूलों को तोड़कर किनारे फेंक दिया है।' देवकन्या ने उत्तर दिया, 'भगवन, सांसारिक मानव अपने लाभ के लिए धर्म और अधर्म में भेद नहीं कर पाता। ऐसा अज्ञानी व्यक्ति क्षम्य है, किंतु जिसका अवतार धर्म प्रचार के लिए हुआ है, उसे तो प्रत्येक कृत्य के उचित और अनुचित का विचार करना चाहिए।' बुद्ध ने यह समझ लिया। वे श्रद्धा भाव से देवकन्या को प्रणाम कर आगे बढ़ गए।

सामयिक

जाकिर हुसैन के निधन से थम गई तबले की थाप

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

दुनियाभर में शास्त्रीय संगीत में भारत को अलग पहचान दिलाने वाले उस्ताद और मशहूर तबला वादक जाकिर हुसैन अब हमारे बीच नहीं रहे। %3 साल की उम्र में हुसैन ने अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में आखिरी सांस ली। उनके निधन से आज भारतीय संगीत की लय थम गई, सुर मौन हो गए, भाव शून्य हो गए। मौसिकी की दुनिया में हुसैन के तबले की थाप एक अलहदा पहचान रखती है, वे दुनिया भर के अनगिनत संगीत प्रेमियों द्वारा संजोई गई एक असाधारण विरासत छोड़ गए हैं, जिसका प्रभाव आने वाली पीढ़ियों तक बना रहेगा। भारतीय तबले की गौरवशाली परंपरा की सुगंध विश्व भर में प्रसारित करने वाले हुसैन के अनंत में विलीन होने से गहन सन्नाटा छा गया है। हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत एवं तबला वादन का दुनिया में विशिष्ट स्थान है, क्योंकि यह सत्यं, शिवं और सौन्दर्य की युगपत उपासना की सिद्ध एवं चमत्कारी अभिव्यक्ति है। उन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत में क्रांति का शंखनाद किया।

उस्ताद जाकिर हुसैन का जन्म 9 मार्च 1951 को हुआ, जाकिर हुसैन तबला वादक उस्ताद अल्ला रक्खा के बेटे थे। हुसैन का बचपन मुंबई में ही बीता। 12 साल की उम्र से ही जाकिर हुसैन ने संगीत की दुनिया में अपने तबले की आवाज को बिखेरना शुरू कर दिया था। प्रारंभिक शिक्षा और कॉलेज के बाद हुसैन ने कला के क्षेत्र में अपने आप को स्थापित करना शुरू कर दिया। 19%3 में उनका पहला एलबम लिविंग इन द मैटेरियल वर्ल्ड आया था। उसके बाद तो जैसे जाकिर हुसैन ने ठान लिया कि अपने तबले की आवाज को दुनिया भर में बिखेरेंगे। 19%9 से लेकर अब तक जाकिर हुसैन विभिन्न अंतरराष्ट्रीय समारोहों और एलबमों में अपने तबले का दम दिखाते रहे। जाकिर हुसैन भारत में तो बहुत ही प्रसिद्ध थे साथ ही साथ विश्व के विभिन्न हिस्सों में भी समान रूप से लोकप्रिय थे। वे भारतीय संगीत जगत का एक उज्वल नक्षत्र थे। वे पारम्परिक कौशल, रचनात्मकता एवं संवेदनशीलता से युक्त तबला वादन में कल्पनाशील विस्तार, गहन अलौकिकता और अचूक कलात्मक संयम एवं वैभव के लिये विख्यात थे। वे अपनी कला के अकेले महारथि थे। उन्होंने शास्त्रीय संगीत एवं कला को लोकरंजन का साधन बनाने के लिये क्लिष्टता को दूर कर उसे सुगम बनाया। ईश्वर को आलोकपुंज मानते हुए उससे एकाकार होकर अपनी कला को प्रस्तुति देते हुए हुसैन ऐसा प्रतीत कराते थे, मानो उनका ईश्वर से सीधा साक्षात्कार हो रहा है। यही कारण है कि उनके तबले वादन एवं संगीत साधना से रू-ब-रू होने वाले असंख्य लोग उनकी साधना में गौता लगाते हुए मंत्रमुग्ध हो जाते थे। उनका यह स्थान सर्वोपरि रहा है, जिसे अब कोई पूरा नहीं कर सकता। उनके निधन से तबला वादन संसार की एक पाठशाला आज वीरान हो गई।

जाकिर हुसैन यूं तो सम्मान एवं पुरस्कारों से ऊपर थे। फिर भी उन्हें 1988 में जब पद्मश्री का पुरस्कार मिला था तब वह महज 3% वर्ष के थे और इस उम्र में यह पुरस्कार पाने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति भी थे। इसी तरह 2002 में संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें पद्म भूषण का पुरस्कार दिया गया था। 22 मार्च 2023 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उस्ताद जाकिर हुसैन तबले को हमेशा आम लोगों से जोड़ने की कोशिश करते थे। यही वजह थी कि शास्त्रीय विधा में प्रस्तुतियों के दौरान बीच-बीच में वे अपने तबले से कभी डमरू, कभी शंख तो कभी बारिश की बूंदों जैसी अलग-अलग तरह की ध्वनियां निकालकर सुनाते थे। वे कहते थे कि शिवजी के डमरू से कैलाश पर्वत से जो शब्द निकले थे, वही शब्द लेकर उन्हें ताल की जुबान में बांधा। हम सब तालवादक, तालयोगी या तालसेवक उन्हीं शब्दों को अपने वाद्य पर बजाते हैं। गणेशजी इन सबके कुलदेव हैं। उस्ताद जाकिर हुसैन की शख्सियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने महज 11 साल की उम्र में अमेरिका में पहला कॉन्सर्ट किया। यानी तकरीबन 62 साल तक उनका और तबले का साथ नहीं छूटा। उन्हें उनकी पीढ़ी के सबसे महान तबला वादकों में माना जाता है। जब तबले का जिक्र आता है तो सबसे बड़े नामों में उस्ताद जाकिर हुसैन का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। उन्होंने न सिर्फ अपने पिता उस्ताद अल्ला रक्खा खां की पंजाब घराने (पंजाब बाज) की विरासत को आगे बढ़ाया, बल्कि तबले के शास्त्रीय वादन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ले गए। उस्ताद को संगीत की दुनिया का सबसे बड़ा ग्रैमी अवॉर्ड 1992 में 'द प्लेनेट ड्रम' और 2009 में ग्लोबल ड्रम प्रोजेक्ट' के लिए मिला। इसके बाद 2024 में उन्हें तीन अलग-अलग संगीत एलबमों के लिए एकसाथ तीन ग्रैमी मिले। 1978 में जाकिर हुसैन ने कथक नृत्यांगना एंटोनिया मिनीकोला से शादी की थी। उनकी दो बेटियां हैं, अनीसा कुरैशी और इसाबेला कुरैशी। अनीसा ने यूसीएलए से स्नातक किया है और वह एक फिल्म निर्माता हैं। 1983 में जाकिर हुसैन ने फिल्म 'हीट एंड डस्ट' से अभिनय के क्षेत्र में कदम रखा। इसके बाद 1988 में 'द परफेक्ट मर्डर', 1992 में 'मिस बैटीज चिल्डर्स' और 1998 में 'साज' फिल्म में भी उन्होंने अभिनय किया।

हुसैन का तबला वादन का सृजन एवं संगीत मनोरंजन एवं व्यावसायिकता के साथ आध्यात्मिकता एवं सृजनात्मकता का आभामंडल निर्मित करने वाला है। उनके भारतीय शास्त्रीय संगीत की साधना एवं तबला वादन का उद्देश्य आत्माभिव्यक्ति, प्रशंसा या किसी को प्रभावित करना नहीं, अपितु स्वान्तः सुखाय, पर-कल्याण एवं ईश्वर भक्ति की भावना है। इसी कारण उनका शास्त्रीय संगीत, एवं तबला वादन स्वरों की साधना सीमा को लांघकर असीम की ओर गति करती हुई दृष्टिगोचर होती है। उनका उनका तबला वादन हृदयग्राही एवं प्रेरक है क्योंकि वह सहज एवं हर इंसान को आत्ममुग्ध करने, झकझोरने एवं आनन्द-विभोर करने में सक्षम है। भगवान शिव की जीवंतता को साकार करने वाला यह महान कलाकार सदियों तक अपनी शास्त्रीय-संगीत साधना एवं तबला वादन के बल पर हिन्दुस्तान की जनता पर अपनी अमिट छाप कायम रखेगा। 90 के दशक में ताजमहल चाय के वाह ताज' विज्ञापन ने उन्हें हर घर में पहचान दिलाई। इस विज्ञापन में चाय की चुस्की लेते हुए उनकी तबला जुगलबंदी के दौरान बोली गई वाह ताज ने ताजमहल चाय को आम लोगों में फेमस कर दिया था। जाकिर हुसैन के तबला वादन की तासीर ही है कि उन्हें सुनते एवं देखते हुए कोई शख्स तनावों की भीड़ में शांति महसूस करता तो किसी के अशांत मन के लिये वह समाधि का नाद होता है। उनका संगीत एवं तबला वादन चंचल चित्त के लिये एकाग्रता की प्रेरणा होता तो संघर्ष के क्षणों में संतुलन का उपदेश। वह एक दिव्य एवं विलक्षण चेतना थी जो स्वयं संगीत एवं तबला वादन में जागृत रहती और असंख्य श्रोताओं के भीतर ज्योति जलाने का प्रयास करती। हर जगह यह बेजोड़ तबला वादक शास्त्रीयता की राह पर चलते हुए भक्ति का एक लोकपथ सृजित करता था, धरती से ब्रह्माण्ड तक, संगीतप्रेमियों से वैज्ञानिकों तक, राजनीतिज्ञों से साधकों तक सबकी नजरें इस अलौकिक एवं विलक्षण तबला वादक पर लगी रहती थी। आधुनिक संदर्भों में शास्त्रीय तबला के मूर्धन्य एवं सिद्ध उपासकों की कड़ी में जाकिर हुसैन का देवलोकगमन होना एक महान संगीत एवं तबला परंपरा में गहरी रिक्तता एवं एक बड़े खालीपन का सबब है। भले ही मृत्यु उन्हें छिपा ले और महत्तर मौन उन्हें घेर ले, फिर भी उनके स्वर, तबला वादन एवं संगीत का नाद इस धरती को सुकोमलता का अहसास कराता रहेगा।

मुद्दा

आतंकवाद पर भारत की दो टूक

सुनिधि मिश्रा

मोबाइल : 74268 88640

> **वर्तमान में भारत आतंकवाद से निपटने के लिए एक बहुआयामी रणनीति अपना रहा है, जिसमें सुरक्षा बलों का आधुनिकीकरण और प्रशिक्षण, सीमा सुरक्षा को मजबूत करना, आतंकवाद के वित्तपोषण पर रोक, साइबर सुरक्षा में सुधार, समुदायों के बीच सद्भाव को बढ़ावा देना और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने जैसे कदम शामिल हैं। हालांकि चुनौतियां बड़ी हैं, लेकिन भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में ढ़ संकल्पित है।**

हाल ही में विदेश मंत्री एस. जयशंकर की इस्लामाबाद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भागीदारी ने एक बार फिर आतंकवाद के मुद्दे को वैश्विक मंच पर प्रमुखता से उठाया है। यह यात्रा न केवल द्विपक्षीय संबंधों के लिए महत्वपूर्ण थी, बल्कि इसने क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए आतंकवाद के खतरे पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर भी प्रदान किया। भारत लंबे समय से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अग्रणी रहा है। हमारा देश दशकों से सीमा पार आतंकवाद का सामना कर रहा है, जिसने हजारों निर्दोष नागरिकों की जान ली है और अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचाया है। इस पृष्ठभूमि में जयशंकर की यात्रा का महत्व और भी बढ़ जाता है। सम्मेलन में भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपने दृढ़ रुख को दोहराया है।

जयशंकर ने स्पष्ट किया कि आतंकवाद किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है, चाहे वह किसी भी कारण से हो। उन्होंने जोर देकर कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मानदंड नहीं हो सकते और सभी देशों को इस खतरे से निपटने के लिए एकजुट होना चाहिए। हालांकि यह ध्यान देने योग्य है कि पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध जटिल रहे हैं, विशेष रूप से आतंकवाद के मुद्दे पर। भारत ने बार-बार पाकिस्तान से अपनी धरती से संचालित होने वाले आतंकवादी समूहों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने का आग्रह किया है। इस संदर्भ में जयशंकर की यात्रा एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक कदम है, जो दोनों देशों के बीच संवाद की आवश्यकता को रेखांकित करता है। वर्तमान समय में आतंकवाद एक जटिल और बहुआयामी चुनौती बन गया है। तकनीकी प्रगति के साथ आतंकवादी समूह अब साइबर हमलों, सोशल मीडिया का दुरुपयोग और क्रिप्टो करेंसी जैसे नए माध्यमों का उपयोग कर रहे हैं। देश में पिछले कुछ दशकों से लगातार आतंकी घटनाएं हो रही हैं, जो दिखाती हैं कि किस प्रकार भारत आतंक के चपेट में आ गया है। इन आतंकी घटनाओं का क्रम यही नहीं रुका। मुंबई आतंकी हमले (26/11, 2008) ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। यह देश के इतिहास का सबसे भयावह आतंकी हमला था, जिसमें 10 आतंकवादियों ने मुंबई के कई स्थानों पर हमला किया, जिसमें 166 लोग मारे गए और 300 से अधिक घायल हुए। वहीं 14 फरवरी, 2019 को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर आत्मघाती हमला हुआ, जिसमें 40 जवान शहीद हो गए। 5 मई, 2023 को राजौरी जिले में आतंकवादियों ने सेना के वाहन पर घात लगाकर हमला किया। इस हमले में पांच जवान शहीद हो गए और एक अन्य घायल हो गया। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद भारत के लिए दशकों से एक गंभीर चुनौती रहा है। इस क्षेत्र में आतंकवाद के इतिहास और वर्तमान स्थिति को समझने के लिए अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के प्रभाव को समझना महत्वपूर्ण है। अनुच्छेद 370 भारतीय संविधान का एक विशेष प्रावधान था, जो जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान करता था। यह 1949 में लागू किया गया था और राज्य को स्वायत्तता प्रदान करता था, जिसके तहत केंद्र सरकार की शक्तियां रक्षा, विदेश मामलों और संचार तक सीमित थीं। 5 अगस्त, 2019 को भारत सरकार ने अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया और जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया। इस कदम का उद्देश्य क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देना और आतंकवाद से निपटना था।

ये सभी घटनाएं हमें यह सोचने पर मजबूर करती हैं कि क्या आज भी हम कहीं ना कहीं सुरक्षा व्यवस्था में चूक कर रहे हैं? इन सारी घटनाओं के मद्देनजर आज जब भारत इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाता है, तो कुछ पड़ोसी देश अपनी आदत से बाज नहीं आते हैं और वे भारत के आंतरिक मुद्दों में हस्तक्षेप करने की कोशिश करते हैं। इसी संदर्भ में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीन को भी एक स्पष्ट संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए। यह संदेश सीमा विवाद और लद्दाख में चल रहे तनाव के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण था। उन्होंने जोर देकर कहा कि एससीओ के सदस्य देशों को एक-दूसरे की चिंताओं का सम्मान करना चाहिए और विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाना चाहिए। कुल मिलाकर पाकिस्तान को अब यह समझना होगा कि आतंकवाद को बढ़ावा देने से न केवल पड़ोसी देशों को खतरा है, बल्कि यह उसके अपने विकास में भी बाधक है। इस मामले में भारत का रुख स्पष्ट है। वह अपने क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना चाहता है। वर्तमान में भारत आतंकवाद से निपटने के लिए एक बहुआयामी रणनीति अपना रहा है, जिसमें सुरक्षा बलों का आधुनिकीकरण और प्रशिक्षण, सीमा सुरक्षा को मजबूत करना, आतंकवाद के वित्तपोषण पर रोक, साइबर सुरक्षा में सुधार, समुदायों के बीच सद्भाव को बढ़ावा देना और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने जैसे कदम शामिल हैं। हालांकि चुनौतियां बड़ी हैं, लेकिन भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दृढ़ संकल्पित है। यह स्पष्ट है कि आतंकवाद से निपटने के लिए न केवल सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक पहलों की भी जरूरत है, जो आतंकवाद की जड़ों का खात्मा करें।

नजरिया

शराब के नशे में खोता जा रहा है युवा वर्ग

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

मध निषेध दिवस 18 दिसंबर को मनाया जाता है। नशाखोरी इस सदी की सबसे बड़ी समस्या है जिसमें मध यानि शराब का नशा प्रमुख है। आज युवा वर्ग शराब के नशे में खोता जा रहा है। युवाओं में तेजी से बढ़ रही शराब की लत को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञ समय-समय सचेत करते रहते हैं। शराब का सेवन शरीर को गंभीर क्षति पहुंचा सकता है। युवाओं के बीच शराब का सेवन एक चलन सा चल पड़ा है। शराब एक नशीला पदार्थ है, जिसको एक प्रकार का अवसाद भी माना जाता है। शराब जैसे तन मन और परिवार को खोखला करने वाली की लत उन्हें बर्बाद कर रही है। शुरू में युवा शौक के तौर पर शराब का सेवन करता है और बाद में नशे की मांग पूरी करने के लिए तस्करी और गैर सामाजिक कार्य के कारोबार में फंस जाता है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देश में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के 31.2 फीसदी लोग शराब का सेवन करते हैं। इनमें से 3.8 फीसदी वो लोग भी हैं जो इसकी लत का बुरी तरह शिकार हैं और आए दिन बड़ी मात्रा में शराब पीते हैं, जबकि 12.3 फीसदी वो हैं जो कभी-कभार काफी ज्यादा शराब पीते हैं। युवा लोगों में शराब पीने की लत तो बढ़ ही रही थी, अब पीकर बेहोश होने का नया चलन शुरू हो गया है।

आजकल के बदलते लाइफस्टाइल में हमारे देश में नशा एक ऐसा अभिशाप बन कर उभर रहा है जो हमारे युवाओं को तेजी से अपनी गिरफ्त में लेता जा रहा है। साल-दर-साल इन युवाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। युवाओं में शराब जैसे खतरनाक नशे के बढ़ते चलन के पीछे बदलती जीवनशैली, अकेलापन, बेरोज़गारी और आपसी कलह जैसे अनेक कारण हो सकते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने शराब को लेकर चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। इस संबंध में संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि शराब की वजह से हर साल करीब 30 लाख लोगों की मौत होती है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में मृत्यु दर में थोड़ी कमी आई है। इस नए रिपोर्ट को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि आंकड़ें भले ही कम हो रहे हों लेकिन यह अभी भी 'अस्वीकार्य रूप से उच्च' बनी हुई है। शराब और स्वास्थ्य पर पेश इस नवीनतम रिपोर्ट में कहा गया है कि शराब से सेवन से हर साल दुनिया भर में 20 में से लगभग एक मौत शराब पीने के कारण होती है। शराब पी के गाड़ी चलाने, शराब के कारण होने वाली हिंसा और दुर्व्यवहार और कई तरह की बीमारियों और विकारों के कारण यह मौत होती है। शराब का नशा कम समय में बहुत अधिक शराब पीने से जुड़ी एक स्थिति है। इसे शराब पॉयसन भी कहा जाता है। शराब का नशा गंभीर है यह आपके शरीर के तापमान, श्वास, हृदय गति और गैग रिफ्लेक्स को प्रभावित करता है। यह कभी-कभी कोमा या मृत्यु का कारण भी बन सकता है। शराब का नशा कम समय में जल्दी हो सकता है। जब कोई व्यक्ति शराब का सेवन कर रहा होता है, तो अलग-अलग लक्षण दिखाई दे सकता हैं। ये लक्षण नशे के विभिन्न स्तरों, या चरणों से जुड़े होते हैं।

एक सरकारी सर्वेक्षण के अनुसार भारत में पांच में से एक शख्स शराब पीता है। सर्वे के अनुसार 19 प्रतिशत लोगों को शराब की लत है। जबकि 2.9 करोड़ लोगों की तुलना में 10-75 उम्र के 2.7 प्रतिशत लोगों को हर रोज ज्यादा नहीं तो कम से कम एक पेग जरूर चाहिए होता है और ये शराब के लती होते हैं। सर्वेक्षण के अनुसार देशभर में 10 से 75 साल की आयु वर्ग के 14.6 प्रतिशत यानी करीब 16 करोड़ लोग शराब पीते हैं।

छत्तीसगढ़, त्रिपुरा, पंजाब, अरुणाचल प्रदेश और गोवा में शराब का सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। इस सर्वे की चौंकाने वाली बात यह है कि देश में 10 साल के बच्चे भी नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में शामिल हैं। एक अन्य सर्वे के मुताबिक भारत में गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले लगभग 37 प्रतिशत लोग नशे का सेवन करते हैं। इनमें ऐसे लोग भी शामिल है जिनके घरों में दो जून रोटी भी सुलभ नहीं है। जिन परिवारों के पास रोटी-कपड़ा और मकान की सुविधा उपलब्ध नहीं है तथा सुबह-शाम के खाने के लाले पड़े हुए हैं उनके मुखिया मजदूरी के रूप में जो कमा कर लाते हैं वे शराब पर फूंक डालते हैं। इन लोगों को अपने परिवार की चिन्ता नहीं है कि उनके पेट खाली हैं और बच्चे भूख से तड़फ रहे हैं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रदर्शन

लखनऊ में उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान समाजवादी पार्टी के विधायकों ने विरोध प्रदर्शन किया।

बांग्लादेश की जेल में बंद हिंदू संत के वकील रवींद्र घोष इलाज के लिए कोलकाता पहुंचे

कोलकाता/भाषा। बांग्लादेश की जेल में बंद हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास का बचाव कर रहे प्रमुख बांग्लादेशी वकील रवींद्र घोष अपने इलाज के लिए इस समय कोलकाता के पास बैरकपुर में हैं। घोष के बेटे ने सोमवार को यह जानकारी दी।

रवींद्र घोष अपनी पत्नी के साथ रविवार शाम को भारत पहुंचे और वह अपने बेटे राहुल घोष के साथ रह रहे हैं। भारत में पले-बढ़े राहुल अपनी पत्नी और बच्चों के साथ कई वर्षों से पश्चिम बंगाल में उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर में रह रहे हैं। राहुल घोष ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मेरे पिता कल शाम मेरी मां के साथ यहां आए और फिलहाल हमारे साथ रह रहे हैं। वह तीन साल पहले एक दुर्घटना का शिकार हुए थे और इलाज के लिए वह अक्सर भारत आते रहते हैं।

राहुल ने अपने पिता की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई और उनसे कुछ समय के लिए भारत में ही रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, मैंने अपने पिता से अनुरोध किया है कि वह बांग्लादेश वापस न लौटें और कुछ समय के लिए हमारे साथ ही रहें लेकिन वह चिन्मय दास प्रभु के मामले में उनकी पैरवी करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं और इसलिए वह अपनी बात पर अड़े हुए हैं और वापस जाना चाहते हैं। हम उनकी सुरक्षा को लेकर बहुत चिंतित हैं।

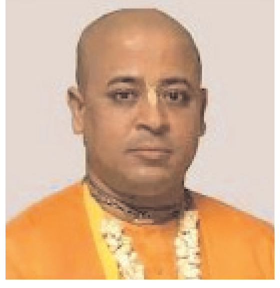

बांग्लादेश सम्मिलित सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास को इस महीने की शुरुआत में एक रैली के लिए चटगांव जाते समय ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार कर लिया गया था। बांग्लादेश की एक अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया और दो जनवरी तक जेल भेज दिया। चिन्मय का सक्रिय रूप से बचाव कर रहे रवींद्र घोष ने पहले कहा था, चूंकि मैं चिन्मय दास प्रभु का बचाव कर रहा हूं, इसलिए मुझे पता है कि मेरे खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए जा सकते हैं और मेरी जान को भी खतरा है।

बांग्लादेश में मौजूदा राजनीतिक उथल-पुथल के बीच हिंदुओं पर हमलों की घटनाएं बढ़ गई हैं। छात्र आंदोलन के कारण शेख हसीना के पांच अगस्त को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद से अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ हिंसा के मामले बढ़े हैं और उन्हें विस्थापन के लिए मजबूर होना पड़ा है।

दीक्षांत समारोह

पटना में सोमवार को एसकेएम हॉल में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के चौथे दीक्षांत समारोह के दौरान छात्र।

शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के कारण यह विजय और अधिक महत्वपूर्ण है : मोहम्मद यूनुस

ढाका/भाषा। बांग्लादेश के प्रधान सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने देश को 1971 में मिली आजादी के 54 साल पूरे होने के अवसर पर कहा कि यह विजय दिवस और अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि इस साल ''दुनिया की सबसे खराब निरंकुश सरकार'' सत्ता से बाहर हो गई। यूनुस ने विजय दिवस के मौके पर दिए भाषण में बांग्लादेश के संस्थापक नेता बंगबंधु शेख मुजीब-उर-रहमान का जिक्र नहीं किया।

साल 1971 के भारत और पाकिस्तान के युद्ध में पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था, इसलिए दिन को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। पाकिस्तानी सेना पर भारतीय सेना की जीत से ही बांग्लादेश अस्तित्व में आया था।

यूनुस और बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने मुक्ति संग्राम में शहीद हुए जवानों को और राजधानी के बाहरी इलाके सावर स्थित राष्ट्रीय स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

यूनुस ने भाषण में कहा, मैं उन लाखों शहीदों को याद करता हूं जिनमें असंख्य बच्चे, किशोर, युवा और बुजुर्ग शामिल हैं, जिनके बलिदान के कारण ही हमें आजादी मिल पाई।

प्रसिद्ध तबला वादक जाकिर हुसैन का निधन

दिल्ली/मुंबई/कोलकाता/भाषा। प्रसिद्ध तबला वादक जाकिर हुसैन का अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में एक अस्पताल में निधन हो गया। उनके परिवार ने सोमवार को यह जानकारी दी।

परिवार ने एक बयान में कहा कि हुसैन की मृत्यु फेफड़े संबंधी समस्या ''इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस'' से उत्पन्न जटिलताओं के कारण हुई। वह 73 वर्ष के थे। हुसैन पिछले दो सप्ताह से अस्पताल में भर्ती थे। उनकी हालत बिगड़ने के बाद उन्हें आईसीयू में रखा गया था। हुसैन की बहन खुर्शीद औलिया ने कहा कि उन्होंने ''सुकून के साथ अंतिम सांस'' ली। उन्होंने बताया, वेंटिलेशन मशीन बंद किए जाने के बाद उन्होंने सुकून के साथ अंतिम सांस ली। सैन फ्रांसिस्को के समय के अनुसार, तब शाम के चार बजे थे।

प्रसिद्ध तबला वादक उस्ताद अल्ला रक्खा के पुत्र जाकिर हुसैन का जन्म नौ मार्च 1951 को हुआ था। उन्हें उनकी पीढ़ी के सबसे महान तबला वादकों में से एक माना जाता है। उनके परिवार में उनकी पत्नी एंटोनिया मिनेकोला और उनकी बेटियां अनीशा कुरैशी और इज़ाबेला कुरैशी हैं। परिवार की ओर से जारी बयान में कहा गया है, वह दुनिया भर के अनगिनत संगीत प्रेमियों द्वारा संजोई गई एक असाधारण विरासत छोड़ गए हैं, जिसका प्रभाव आने वाली पीढ़ियों तक बना रहेगा। छह दशकों के अपने करियर में, हुसैन ने कई प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय और भारतीय कलाकारों के साथ काम किया।

अनुष्का शेट्टी की फिल्म 'घाटी' अगले वर्ष होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

जानी मानी अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी की फिल्म 'घाटी' 18 अप्रैल 2025 को रिलीज होगी। फिल्म बाहुबली में देवसेना के किरदार से सभी कि दिलों पर राज करने वाली सअनुष्का शेट्टी की आगामी फिल्म घाटी की रिलीज डेट से पर्दा उठ गया है। हाल ही में फिल्म का बेहद ही शानदार पोस्टर रिलीज किया गया था, जिसे देखने के बाद प्रशंसकों का उत्साह फिल्म को लेकर और अधिक बढ़ गया है। वहीं फिल्म निर्माताओं ने अब घाटी की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। अनुष्का शेट्टी के प्रशंसक फिल्म घाटी की रिलीज डेट आने से बेहद खुश हैं। अनुष्का की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'घाटी' इस साल नहीं बल्कि अगले साल की गर्मियों में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। इस फिल्म में अनुष्का एक घाटी की रानी की तरह दुश्मनों के छक्के छुड़ाती नजर आएंगी। फिल्म घाटी में अनुष्का शेट्टी के हाव भाव से उनका किरदार काफी गुस्से वाला और रहस्यमयी नजर आ रहा है।

अनुष्का शेट्टी कृष जगरलामुदी की आगामी निर्देशित फिल्म घाटी में दमदार किरदार में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में अनुष्का को पहले कभी न देखे गए अवतार में दिखाया गया है। हाल ही में, निर्माताओं ने एक शानदार पोस्टर के साथ रिलीज की तारीख का खुलासा किया।घाटी शुक्रवार, 18 अप्रैल, 2025 को बड़े पर्दे पर रिलीज के लिए तैयार है। निर्माताओं ने एक्स पर लिखा, 'द क्वीन' अपने सर्वश्रेष्ठ रूप में बॉक्स ऑफिस पर राज करेगी। घाटी 18 अप्रैल, 2025 को दुनिया भर में भव्य रिलीज होगी। फिल्म को तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज किया जाएगा।

फिल्म घाटी का निर्देशन और लेखन कृष जगरलामुदी ने किया है। फर्स्ट फ्रेम एंटरटेनमेंट के बैनर तले राजीव रेड्डी और साई बाबू जगरलामुदी द्वारा निर्मित इस फिल्म को यूवी क्रिएशंस द्वारा प्रस्तुत किया गया है। तकनीकी दल में फोटोग्राफी के निर्देशक के रूप में मनोज रेड्डी कटासानी, कला निर्देशक के रूप में थोटा थारानी और संगीत निर्देशक के रूप में नागवेली विद्या सागर शामिल हैं। संवाद साई माधव बुर्रा द्वारा लिखे गए हैं, जबकि कहानी चिंताकिंडी श्रीनिवास राव ने लिखी है। संपादन का काम चाणक्य रेड्डी तूरूपु और वेंकट एन स्वामी ने संभाला है, जबकि एक्शन कोरियोग्राफी राम कृष्ण ने की है।

जाकिर हुसैन के निधन पर फिल्म इंडस्ट्री में शोक, बॉलीवुड हस्तियों ने कहा- 'आप दिलों में जिंदा रहेंगे'

मुंबई/एजेन्सी

देश के मशहूर तबला वादक जाकिर हुसैन का 73 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने सैन फ्रांसिस्को में अंतिम सांस ली। उनके परिवार ने इस दुखद खबर की पुष्टि की है। तबला वादक के निधन की खबर मिलते ही देश के साथ ही भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में मातम पसर गया। रणवीर सिंह, भूमि पेडनेकर समेत तमाम बॉलीवुड सितारों ने जाकिर हुसैन के निधन को बड़ी क्षति बताया और सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने इंस्टाग्राम पर उस्ताद की एक तस्वीर शेयर कर कैप्शन में लिखा, उस्ताद जाकिर हुसैन की धुन हमारे दिलों में हमेशा गूंजती रहेंगी। अभिनेता रणवीर सिंह ने जाकिर हुसैन की एक तस्वीर शेयर कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। रितेश देशमुख ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट शेयर कर लिखा, जाकिर हुसैन साहब का निधन भारत और वैश्विक संगीत जगत के लिए एक बड़ा झटका है। सर, आपका संगीत एक उपहार था, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। आपकी विरासत अमर रहेगी। आपकी आत्मा लय और धुनों से घिरी रहे। जाकिर हुसैन साहब के परिवार और प्रियजनों के प्रति संवेदना।

फिल्म निर्माता हंसल मेहता ने एक्स पर लिखा, उस्ताद जाकिर हुसैन का कुछ घंटे पहले निधन हो गया। आखिर उस्तादजी... वह व्यक्ति जिसने तबले को आकर्षक बनाया, उनके परिवार, दुनिया भर के प्रशंसकों की गहरी संवेदनाएं।

उनके परिवार ने बताया, इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस से पीड़ित जाकिर हुसैन का सैन फ्रांसिस्को के एक अस्पताल में इलाज चल रहा था, जहां उनका निधन हो गया। हुसैन की पत्नी का नाम एंटोनिया मिनेकोला और बेटियां अनीसा कुरैशी और इसाबेला कुरैशी हैं। 9 मार्च 1951 को जन्मे हुसैन महान तबला वादक उस्ताद अल्ला रक्खा के पुत्र थे। परिवार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि वह अपने पीछे एक असाधारण विरासत छोड़ गए हैं, जिसे दुनिया भर के अनगिनत संगीत प्रेमी संजोकर रखेंगे, जिसका प्रभाव आने वाली पीढ़ियों तक रहेगा।

अपने छह दशक के करियर में हुसैन ने कई अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय कलाकारों के साथ काम किया। 1973 में उन्होंने अंग्रेजी गिटारवादक जॉन मैकलॉघलिन, वायलिन वादक एल शंकर और तालवादक टीएच 'विक्कू' विनायकराम के साथ एक संगीत प्रोजेक्ट पर भी काम किया, जिसमें भारतीय शास्त्रीय और जैज को फ्यूजन के साथ सामने लाया। जाकिर हुसैन ने अपने करियर में रविशंकर, अली अकबर खान और शिवकुमार शर्मा सहित भारत के प्रतिष्ठित कलाकारों के साथ काम किया। यो-यो मा, चार्ल्स लॉयड, बेला फ्लेक, एडगर मेयर, मिकी हार्ट और जॉर्ज हैरिसन जैसे वेस्टर्न संगीतकारों के साथ उनके अभूतपूर्व काम ने भारतीय शास्त्रीय संगीत को अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों तक पहुंचाया। अपने शानदार करियर के दौरान जाकिर हुसैन ने चार ग्रैमी पुरस्कार प्राप्त किए थे। उन्हें 1988 में पद्मश्री, 2002 में पद्म भूषण और 2023 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

उत्कर्ष शर्मा और सिमरत कौर ने दिल्ली के बंगला साहिब गुरुद्वारा में लिया आशीर्वाद

नई दिल्ली/एजेन्सी

फिल्म वनवास के सितारे उत्कर्ष शर्मा और सिमरत कौर ने बंगला साहिब गुरुद्वारा और हनुमान मंदिर में आशीर्वाद लिया। वनवास एक इमोशनल फैमिली ड्रामा है, जो रामायण की कहानी को आधुनिक दौर के दृष्टिकोण से पेश करता है। इसमें बच्चों द्वारा अपने माता-पिता को वनवास भेजने की दिल छू लेने वाली और सोचने पर मजबूर कर देने वाली कहानी को दर्शाया गया है, जो आज की पीढ़ी से गहराई से जुड़ती है।

इस नई सोच और अनोखे विजन के चलते दर्शकों में फिल्म को लेकर खासा उत्साह है। फिल्म वनवास के स्टार्स उत्कर्ष शर्मा और सिमरत कौर कल शाम दिल्ली स्थित बंगला साहिब गुरुद्वारा और प्रसिद्ध हनुमान मंदिर में प्रमोशन करने पहुंचे। उन्होंने वहां दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उनका यह कदम उनकी गहरी आस्था और समर्पण को दर्शाता है। वनवास को निर्देशित कर रहे अनिल शर्मा पहले भी गदरः एक प्रेम कथा और गदर 2 जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में ज़ी स्टूडियोज़ के साथसाथ काम कर चुके हैं। अब ये टीम अपनी तीसरी फिल्म वनवास के साथ एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने की तैयारी कर रही है।

अनिल शर्मा लिखित , निर्मित और निर्देशित फिल्म वनवास को 20 दिसंबर 2024 को थिएटर्स में रिलीज़ किया जाएगा। ज़ी स्टूडियोज़ द्वारा वर्ल्डवाइड रिलीज की जाने वाली इस फिल्म में नाना पाटेकर, उत्कर्ष शर्मा और सिमरत कौर लीड रोल में नज़र आएंगे।

नागपुर में सोमवार को विधान भवन में शीतकालीन सत्र के पहले दिन महाराष्ट्र की मंत्री पंकजा मुंडे।

अपने प्रशंसक के हुनर को देखकर दंग रह गईं रश्मिका

मुंबई/एजेन्सी

इन दिनों अभिनेत्री रश्मिका मंदाना हाल ही में रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' की सफलता का आनंद ले रही है। हाल ही में वह अपने एक फैन का हुनर देखकर आश्चर्यचकित नजर आईं। ओरिगेमी कलाकार कबीर बरोट ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपने हुनर का प्रदर्शन करते हुए एक वीडियो शेयर किया, जिसमें रश्मिका मंदाना उनकी कला से खुश नजर आ रही हैं। क्लिप में अभिनेत्री कार के अंदर बैठी हुई दिखाई दे रही हैं। वह कबीर बरोट की कला को बड़े ही ध्यान से देख रही हैं। जब कलाकार ने अपनी जटिल पेपर-फोल्डिंग कला का प्रदर्शन किया, तो अभिनेत्री उन्हें ध्यान से देख कर दंग रह गईं। इस बीच अभिनेत्री को 'पुष्पा 2: द रूल' में उनके काम के लिए बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है, जिसमें वह अपने श्रीवल्ली के किरदार को दोहराती हुई नजर आ रही हैं। 5 दिसंबर को रिलीज हुई 'पुष्पा: द रूल' प्रशंसकों की प्रशंसा और दिसंबर 2021 में रिलीज हुई फिल्म 'पुष्पा: द राइज' द्वारा बनाई गई विरासत के साथ बॉक्स-ऑफिस पर धमाल मचा रही है। 'पुष्पा: द रूल' वहीं से शुरू होती है, जहां 'पुष्पा: द राइज' खत्म हुई थी। इसमें तेलुगु सुपरस्टार अल्लू अर्जुन अपनी मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं। हाल ही में रश्मिका अपने 'पुष्पा' के सह-कलाकार अल्लू अर्जुन के समर्थन में सामने आईं, जब उन्हें हैदराबाद के संध्या थिएटर में भगदड़ में एक प्रशंसक की मौत के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने हैंडल पर लिखा, मैं इस समय जो देख रही हूं, उस पर विश्वास नहीं कर सकती.. जो घटना हुई वह दुर्भाग्यपूर्ण और बेहद दुखद घटना थी। हालांकि, यह देखना निराशाजनक है कि हर चीज के लिए एक ही व्यक्ति को दोषी ठहराया जा रहा है।

हॉलीवुड फिल्मों के ऑफर में कुछ एक्साइटिंग नहीं लगा: श्रद्धा कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर का कहना है कि उन्हें हॉलीवुड से कुछ ऑफर्स आए थे, लेकिन उन्हें कुछ एक्साइटिंग नहीं लगा। श्रद्धा कपूर को आखिरी बार फिल्म 'स्त्री 2' में देखा गया था। श्रद्धा कपूर हाल ही में एजेंडा आजतक 2024 के इवेंट 'स्त्री तुम बार-बार आना' में शिरकत करती दिखीं। हॉलीवुड में काम करने के बारे में पूछे जाने पर श्रद्धा कपूर ने कहा,मैं सच कहूं तो मुझे कुछ ऑफर्स आए थे, लेकिन कुछ एक्साइटिंग मुझे नहीं लगा। जैसे हिंदी फिल्मों के साथ मेरा अप्रोच है तो यदि मुझे कुछ एक्साइटिंग नहीं लगता तो मैं वो फिल्म नहीं करती। मैं सच में चाहती हूं कि जो वक्त हिंदी सिनेमा को लेकर चल रहा है, वो काफी अच्छा है।ओटीटी पर भी एक्स्पेनशन हो रहा है। मुझे शाहरुख के जैसा बनना है कि हमारी फिल्मों का मार्केट वहां पर लेकर जाओ और हमारी फिल्में इंटरनेशनल फिल्में बनें तो मैं वो चाहती हूं।

फिल्म 'हैदर' में इरफान खान के साथ काम करने के बारे में पूछे जाने पर श्रद्धा कपूर ने कहा, मैं खुद को खुशनसीब मानती हूं कि मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला।

मैंने इस फिल्म के लिए ऑडिशन दिया था और दिल से चाहती थी कि इसके लिए मैं सिलेक्ट होऊं। मेरी ये फेवरेट फिल्म है।इरफान सर के साथ काम करके तो सपना पूरा हो गया।

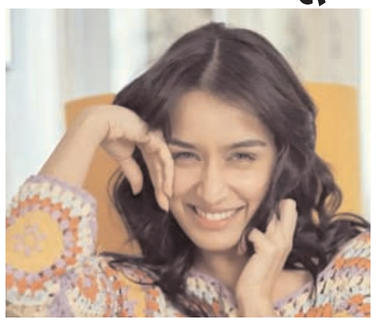

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

सूर्य का प्रकाश संपूर्ण संसार के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि सूर्य जगाता है। आज के दिन कई लोग सोये रहते हैं लेकिन यह सक्रियता का संदेश देने वाला है। जो सक्रिय होता है उसे ऊर्जा प्रदान करने वाला है। जिसका रवि तेजस्वी है, वह सफलता प्राप्त करता है। सबके लिए उसकी उपस्थिति विशेष प्रकार के प्रभाव से भर देती है। जो पितृ भक्त होता है, उसका सूर्यबल बढ़ता है। जहां- जहां पिता का सम्मान है, वहां आपका भी सम्मान बढेगा। यह बड़ों की विश्वसनीयता का प्रतीक है।

तमिलनाडु हिन्दी साहित्य अकादमी ने मनाया भारतीय भाषा दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

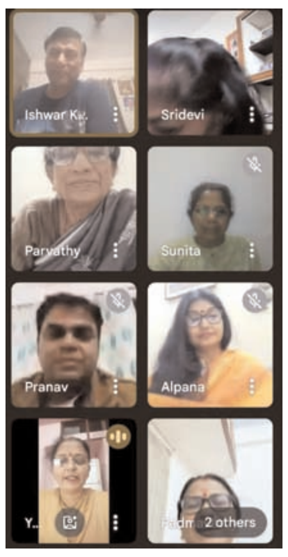

चेन्नई। महाकवि सुब्रह्मण्यम भारती का सारा जीवन राष्ट्र के लिए ही रहा। वे अपनी कविताओं में भी क्रांतिकारी आह्वान करते थे। उन्होंने अपने लिए कभी कुछ नहीं सोचा। अभाव भरे जीवन जीते हुए भी उनके चिंतन में हमेशा भारत रहा। अभी भी सुब्रह्मण्यम भारती को उतना स्थान नहीं मिला, जितने के वे हकदार थे। अपने वक्तव्य में आपने कहा कि वे चाहती हैं कि भारती जैसा ओज और देशप्रेम हर भारतीय में हो। भारती जी को राष्ट्रीय स्तर पर यथोचित पहचान मिलनी चाहिए। उक्त संबोधन करते हुए भारतियार साहित्य की विदुषी डॉ वी. पद्मावती, कोयंबतूर ने तमिलनाडु हिन्दी साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम में महाकवि भारतीयार की तमिल कविता और उसके हिन्दी अनुवाद का पाठ किया। डॉ वी पद्मावती आयोजन की मुख्य वक्ता थीं। उनका स्वागत करते हुए अकादमी के सचिव ईश्वर करुण ने कहा कि 1989 में जब उन्होंने चेन्नै से हस्तलिखित पत्रिका 'कागज' निकालना शुरु किया था तो राष्ट्रकवि भारती की कविता का हिन्दी अनुवाद प्रकाशित किया था। उन्होंने आगे कहा कि आगामी वर्ष में अकादमी नयी पीढ़ी के कवियों के साथ महाकवि भारती के ट्रिप्लीकेन स्थित घर का दौरा करेगी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कोलकाता की लोकप्रिय कवयित्री डॉ कल्पना सिंह ऑनलाइन उपस्थित थीं।

अकादमी की दिसंबर माह के इस विशेष कार्यक्रम में कवयित्री डॉ.अल्पना सिंह ने माँ शारदे के चरणों में गीत अर्पण करते हुए 'मानव उत्थान की वीणा उठाना चाहिए' गीत सुना कर श्रोताओं को रस विभोर किया। 'जीवन चाहे कठिन शुष्क हो','यह रात भी कट जाएगी','नारी की महिमा को जानो' आदि प्रसिद्ध रचनाएँ सुना कर मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर आर.पार्वती, प्रणव तिवारी, श्रीदेवी, कुमुद, ईश्वर करूण, सुनीता जाजोदिया ने भी अपनी अपनी कविताएँ सुनाई। नवोदित कवयित्री श्रीदेवी द्वारा की गई प्रार्थना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सचिव ईश्वर करुण ने विशेष वक्ता, मुख्य अतिथि और श्रोताओं का स्वागत किया। डॉ सुनीता जाजोदिया ने कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन किया। श्रीमती पार्वती द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापित किया।

सुपर फोर्टी ने किया क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। यहां हिंदीभाषी चालीस पार सज्ज्नों से सुसज्ञित खेलकूद एवं सामाजिक समूह 'सुपर फोर्टी' ने गत सप्ताह अपनी स्थापना के दो साल पूरे किये। इस अवसर पर संस्थापक सदस्य कवि नितेश संतुलन, सुनील शर्मा और अमित गुप्ता ने सदस्यों को बधाई दी। सुनील शर्मा ने कवि नितेश के एक विचार मात्र को दो साल में अपनी कुशल क्षमता और समर्पित भाव से बृहत रूप दिया है जो वर्तमान में तमिलनाडु के अंदर अपनी भिन्न पहचान रखता है।

अमित गुप्ता ने सबको साथ लेकर चलने वाली कौशल नेतृत्वकला से कब यहां सदस्यों की संख्या को चौदह से चौंसठ कर दिया पता ही नहीं चला। रविवार को स्थानीय तिरुपति टर्फ ग्राउंड में सालगिरह मनाने के क्रम में एक दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। पांच टीमों की लीग में पचास खिलाड़ियों ने भाग लिया। टूर्नामेंट खिताब टीम अमित ने ट्राफी जीत कर अपने नाम किया। टीम विनोद प्रजापति पूरी श्रृंखला में अजेय थी परंतु फाइनल के रोमांचक मुकाबले में हारकर द्वितीय स्थान पर रही। इस टूर्नामेंट में सबसे उम्दा हरफनमौला प्रदर्शन विनोद प्रजापति और अमित गुप्ता का रहा। बतौर बल्लेबाज आनंद लांबिवाला, प्रशांत जैन, पुर्वेश, निरज, अनिल, किरण, चिराग आदि छाये रहे तो गेंदबाजी में शशी, विपुल उर्फ़ मिथुन, नवीन डुंगरवाल, एके आनंद, ताराचंद, मनीष आदि ने जलवे बिखेरे। चुस्त क्षेत्ररक्षण से प्रशांत जैन और नवीन डुंगरवाल ने दर्शकों की खूब वाह-वाही लूटी।

टूर्नामेंट के भव्य आयोजन में सुनील शर्मा अथक श्रम और भोजन व्यवस्था में पवन बोथरा का अद्भुत सहयोग रहा। नवीन अग्रवाल और तरुण गर्ग ने सभी सदस्यों के लिए जर्सी उपलब्ध कराने की घोषणा की। ट्राफी एवं मेडल वितरण समारोह में महिलाओं तथा बच्चों की अच्छी संख्या में उपस्थिति रही।

अभिव्यक्ति संस्था द्वारा विद्यालय में कुर्सियां भेंट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। यहां हिंदीभाषी महिलाओं की सशक्त सामाजिक संस्था अभिव्यक्ति द्वारा स्थानीय मलयालर भारती नर्सरी एंड प्राइमरी स्कूल में सोमवार को नन्हे बच्चों के बैठने के लिए तीस कुर्सियां भेंट गई। अभिव्यक्ति संस्था के अंतर्गत 'एक-अभिव्यक्ति' शिक्षा टीम ने इस प्रोजेक्ट को अंजाम दिया। शिक्षा टीम की संयोजिका कविता मौर्या ने बताया कि मलयालर भारती विद्यालय का इस अनुदान के लिए चयन इसलिए किया गया क्योंकि यहाँ गुणवत्ता शिक्षा बच्चों को, पुस्तकें, गणवेश, भोजन, खेलकूद सामग्री आदि के साथ, निःशुल्क प्रदान की जाती है। ऐसे में समाज के समर्थ पक्ष का भी यह दायित्व बनता कि वंचित विद्यार्थियों के हित में बेहतर सुविधाएं स्कूल को उपलब्ध कराई जाये।

सह-संयोजिका कविता गुप्ता के अनुसार यह तीस कुर्सियां एलकेजी तथा यूकेजी के बच्चों को बैठने के लिए उपलब्ध होगी। इसके अलावा लगभग डेढ़ सौ बच्चों में मिठाई एवं नमकीन वितरित की गई। इस अवसर पर अभिव्यक्ति की अनेक बहनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

संस्थापक सदस्य कंचन सेठिया ने शिक्षा टीम को प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक पूरा करने पर बधाइयां दी। कविता मौर्या और कविता गुप्ता ने विशेष सहयोग के लिए सुमन शर्मा, राजु देवी फुलफ़गर और उच्छव नाहर के प्रति आभार प्रकट किया।

सुन्दरकांड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में रविवार को सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति कावाकरै के तत्वावधान में तिरूनीलकंठ नगर स्थित विकास प्लाईवुड में संगीत में सुंदरकांड का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तों ने सुन्दरकांड पाठ किया। साज बाज से सुसज्जित भजन मंडली ने सुंदरकांड की चौपाई फिल्मी गानों एवं अन्य भक्ति गीतों गाते नजर आए, सुंदरकांड के संपन्न होने के बाद हनुमान चालीसा श्री राम और हनुमान आरती की गई। समिति का अध्यक्ष राम नरेश शर्मा के अनुसार अगले साल होने वाली दुर्गा पूजा भी छोटे बजट की होगी। जिनमें परंपरा एवं सादगी का विशेष ध्यान रखा जाएगा आगंतुकों को पूजा स्थल सेवा हेतु भारी संख्या में स्वयंसेवक रखा जाएगा। जल्द ही सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति ट्रस्ट का निर्माण करेगा जिन में 21 से 25 सदस्य को ट्रस्टी बनाया जाएगा। चंदा के पारदर्शिता के लिए सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के नाम से अकाउंट खुलवाया जाएगा ताकि ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग अपना सहयोग प्रदान कर सके।

निःशुल्क ऑर्थो और नेत्र जांच शिविर सफलतापूर्वक संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री जैन मेडिकल रिलीफ सोसाइटी की इकाई साहुकारपेट के बेसिन वाटर वर्क्स स्ट्रीट् स्थित धीरज बाफना जैन फिजियोथेरेपी सेंटर में निःशुल्क ऑर्थो और नेत्र जांच शिविर रविवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि 54वें वार्ड पार्षद, अध्यक्ष जोन-5 ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन पी. श्रीरामुलु ने फीता काट कर शिविर का शुभारंभ किया। उनका सम्मान महासचिव राजकुमार दुगड़ व उपाध्यक्ष अशोक भंडारी ने किया। शिविर के प्रायोजक दीपचंद अजितराज राहुल रूपेश कोठारी का सम्मान साल व स्मृति चिन्ह से चेयरमैन चंद्रेश भंडारी व सचिव ज्ञानचंद चोरड़िया ने किया।

डॉ. वर्धमान धारीवाल व टीम द्वारा 150 लोगों की हड्डियों का परीक्षण, बोन डेंसिटी परीक्षण, सुगर व बी पी जांच की गई। दवाईयों के सहयोगी महावीरचंद संदीपकुमार ओस्तवाल के सहयोग से सभी को दवाईयां निशुल्क दी गई। केम्प चेयरमैन ज्ञानचंद कोठारी ने बताया कि भगवान महावीर आई हास्पिटल रायपुरम की टीम द्वारा 155 जनों की नेत्र जांच की गई। उसमें से 77 जरूरतमंदों को चश्मे बना कर निशुल्क दिए जायेंगे। शिविर को सफल बनाने में पूर्व चेयरमैन गौतमचंद कांकरिया, सचिव ज्ञानचंद चोरड़िया, कोषाध्यक्ष राहुल कोठारी, सुरज बाफना, सुभाष कांकलिया, गौतमचंद नाहर, शांतिलाल ललवानी आदि का सहयोग सराहनीय रहा। चेयरमैन चंद्रेश भंडारी ने सभी को आभार व्यक्त किया।

भगवान के नाम में रस है जरूरत है उसमें डूबने की : पवनकुमार महाराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माहेश्वरी भवन में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में श्री विजयगुरुजी ने सभी को आशीर्वाद दिया। कथावाचक पवनकुमारजी महाराज ने कहा कि जिसका अतः करण अत्यंत निर्मल होता है। उसी जीव को भगवद् भक्ति में सन्तों की सेवा में, भगवान के प्रसाद में और भगवन् नाम में आस्था जागृत होती है। इसीलिए किसी न किसी प्रकार प्रयत्न करके अपने अन्तःकरण को निर्मल करने के लिए भगवन् नाम का आश्रय नाम लेना चाहिए।

भगवान के नाम में विलक्षणता इसकी अलौकिकता परन्तु बिना प्रभु के नाम को लिए, इसका प्रभाव नहीं दिखता। जिस प्रकार मिठाई का सेवन किये बगैर उसके मिठास को जान नहीं सकते। जैसे मिठाई खाने वाला ही मिठाई का स्वाद जान सकता। ठीक उसी प्रकार भगवन् नाम लेने वाला ही उस नाम का आनन्द ले सकता है। शास्त्रों से, सन्तों से, नाम की महिमा सुन करके हम नाम में रुचि कर सकते है। परन्तु उसका रस तब ही आयेगा जब आप स्वयं भगवान का नाम लेना शुरू कर दोगे। व्यासजी ने सर्व प्रथम् श्रीमद् भागवत की मंगलाचरण का गान करते हुए कहा कि जिसका मंगलमय आचरण है, उसका ध्यान करने से, उसका स्मरण करने से प्रत्येक जीव के आचरण मंगलमय हो जाता है और सत्कर्मों मे अनेक प्रकार के विघ्न आते है। उन सभी के निवारण के लिए मंगलाचरण की आवश्यकता है। मंगलाचरण में व्यासजी सत्य की वन्दना की है।

व्यासपीठ से पवनकुमारजी महाराज ने कहा कि पांडवों के चारित्र से कथा का प्रारंभ किया। राजा परिक्षित के जन्म के विषय में कहा कि अश्वथामा के ब्रम्हास्त्र के तेज से भयभीत उत्तरा दौड कर भगवान श्री कृष्ण के शरण में गयी और भगवान ने अपनी माया के द्वारा उत्तरा की रक्षा करते है। इस प्रकार अनेक लीलाओं का वर्णन करते हुए व्यासजी ने आनन्दित किया। इस मौके पर गोविंद कुमार जोशी, शशिकुमार डोबा, रामगोपाल जोशी, दशरथ व्यास, नर्सिंग दायमा, वेंकटेश दायमा, लक्ष्मीनारायण काकड़ा, दामोदर सूँठवाल, गोपाल व्यास, विनोद व्यास आदि ने गुरुजी का व्यासपीठ पर सम्मान किया।

प्रियाशरण महाराज की श्रीमद् भागवद कथा 19 से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां अन्ना नगर के शांति कॉलोनी में स्थित एसआरकेके अग्रवाल सभा भवन में 19 दिसंबर से वृंदावन से कथावाचक प्रियाशरण जी महाराज संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का रसपान कराएंगे। कथा आयोजक समाज सेवी मोहनलाल सर्राफ ने बताया है कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन एसआरकेके अग्रवाल सभा भवन परिसर में किया जा रहा है। कथा व्यास भगवताचार्य प्रिया शरणजी महाराज कथा व्यासपीठ पर विराजमान होकर श्रद्धालुओं को कथा का श्रवण करवाएंगे। कथा प्रतिदिन सायं 4 से 7.30 बजे तक चलेगी। कथा के प्रथम दिन कलश यात्रा का आयोजन श्याम मंदिर से किया जाएगा। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर कलश लेकर बैंड बाजे के साथ कथा स्थल पर पहुंचेंगी।

सर्राफ ने बताया कि कथा संपन्न होने के उपरांत अगले दिन 26 दिसंबर से नानी बाई का मायरा कार्यक्रम का भी आयोजन किया जा रहा है जिसमें व्यास पीठ पर शिवा किशोरी जी विराजमान होकर कथा श्रवण कराएंगी। इन दोनों कार्यक्रमों के समापन के उपरांत 29 दिसंबर को पूर्णाहुति एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इन आयोजन को लेकर मोहनलाल सर्राफ अपनी टीम प्रकाश अग्रवाल, अरविंद कुमार सिंघल, विनोद गर्ग, राजेंद्र कुमार गुप्ता, नवीन अग्रवाल, रोहित शशि गोयल तथा सोनू सर्राफ के साथ तैयारी में लगे हुए हैं।

श्रीउत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में तेरापंथ महिला मंडल द्वारा 'श्री उत्सव' प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में 50 से अधिक स्टॉल्स लगाए गए हजारों लोगों ने प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। प्रदर्शनी के चैयरमेन सुमन सुराणा, सह चैयरमेन ममता पुगलिया, मधु चौरड़िया की देखरेख में सफल हुआ। कोमल फलोदिया ने इसके प्रचार प्रसार करने में पूरा सहयोग दिया।

डॉ. अग्रवाल आई हॉस्पिटल द्वारा महावीर इंटरनेशनल चेन्नई मेट्रो सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां डॉ. अग्रवाल आई हॉस्पिटल द्वारा 46वां आई रीसर्च सेंटर दिवस 14 दिसंबर को आलवरपेट स्थित राज पार्क होटल में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम सीनियर मैनेजर अरूल ने सभी का स्वागत किया। नेत्र अनुसंधान केंद्र की अध्यक्ष डॉ. अथिया अग्रवाल ने आई रीसर्च सेंटर की गतिविधियों का वर्णन किया। तत्पश्चात तमिलनाडु राज्य अंधापन नियंत्रण सोसायटी परियोजना के निदेशक मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. एसवी चंद्रकुमार द्वारा महावीर इंटरनेशनल चेन्नई मेट्रो के चेयरमैन ज्ञानचंद कोठारी और सचिव दिलीप मेहता को स्मृतिचिन्ह व भेंट देकर सम्मानित किया। साथ ही महावीर इंटरनेशनल चेन्नई मेट्रो द्वारा लगाए जाने वाले सभी नेत्र शिविर सहयोगियों का स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने नेत्र शिविरों द्वारा अंधेपन को मिटाने के लिए रोकथाम हेतु सभी को बधाई व शुभकामनाएं प्रस्तुत की।

सुसवाणी माता मंदिर एवं अत्तिबेलेश्वर महादेव मंदिर पर धूमधाम से हुआ ध्वजारोहण

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के होसूर रोड़ स्थित सुसवाणी माता धाम की वर्षगांठ धूमधाम से मनाई गई। सुसवाणी माता मंदिर की आठवीं वर्षगांठ एवं अत्तिबेलेश्वर महादेव मंदिर की पांचवीं वर्षगांठ पर धाम निर्माता एवं संचालक भंवरीबाई घेवरचंद सुराणा परिवार के भंवरीबाई, दिलीप-डॉ. अर्चना, मोनिका, निश्रा आदि ने दोनों मंदिर शिखरों पर नूतन ध्वजा चढ़ाई। इससे पूर्व धाम प्रतिष्ठित पांचों माताजी की रजत प्रतिमाओं का अभिषेक एवं महादेवजी एवं माताजी वंदित हवन तथा छप्पन भोग अर्पण पंडित वीरेंद्र पांडेय एवं सुधीर पांडेय के मंत्रोच्चार के बीच किया गया। ध्वजारोहण के बाद जयकारे लगाते हुए माताजी को छप्पन भोग भी अर्पण किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक निर्मलकुमार सुराणा, सुराणा संघ अध्यक्ष महीपाल सुराणा, महामंत्री भीमराज सुराणा, पूर्व अध्यक्ष रिखबचंद, सरदारमल, राजेन्द्र कुमार, मार्गदर्शक विजयराज सुराणा, सुसवाणी माता भक्त मंडल के अध्यक्ष जितेंद्र दुग्गड़ सहित सुराणा संघ, भक्त मंडल एवं सुसवाणी माता महिला मंडल के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.